किराड़ (किरार) क्षत्रिय समाज

का

संक्षिप्त इतिहास

★

लेखक एवं संग्रहकर्त्ता

हीरालाल उपासराव महादुले

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

किराड़ [किरार] क्षत्रिय समाज

का

संक्षिप्त इतिहास

लेखक एवं संग्रहकर्ता :—

हीरालाल उपासराव महाडुले

दिनांक १-१-१९५५ मूल्य ॥)

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

प्रकाशक
हीरालाल उपासराव महादुले
सदरबाजार, नागपुर

प्रथम संस्करण
सन १९५५

मुद्रक
हरिकिसन अग्रवाल
अग्रवाल समाचार मुद्रणालय,
धरमपेठ, नागपुर

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

निवेदन

प्रिय महानुभाव,

वैसे तो इस जाति का नाम ही क्षत्रियवाचक है और इसमें सन्देह नहीं कि यह राजपूताने की प्राचीन लड़ाकू जाति है। राष्ट्र पर संकट पड़ने पर सैनिक और शान्तिकाल में कृषि कार्य यही व्यवसाय इनका रहा है। प्राचीन काल में मुख्य राजा महाराजाओं को ही महत्व दिया जाता था उनके अन्तर्गत जो सामन्त गण होते थे उन्हें राज्य की रक्षा के हेतु जो संगठन बनाये रखना पड़ता था उसमें वे किसी विशेष सम्प्रदाय के न होकर समस्त क्षत्रिय वर्ण के योद्धा लोग रहते थे और मेरे मत से वह समूह ही किरार जाति के नाम से प्रचलित हुआ है। किराड़ (किरार) अर्थात रार करनेवाले।

किसी कूटनीतिज्ञ अंग्रेज महोदय का कथन है कि यदि किसी जाति को नष्ट करना हो तो उसका इतिहास ही लुप्त कर दिया जाय। काफी वर्षों से मैं इस समाज के इतिहास को खोजता रहा और जो कुछ जानकारी प्राप्त हो सकी वह आपकी सेवा में पेश कर सका हूं। सेमरी तालाब के चो. श्रीमान पन्नालालजी के सद्प्रयत्नों से भी इस जाति के सम्बन्ध में यदुवंशी किरार क्षत्रिय जति का संक्षिप्त इतिहास नामक एक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। मैंने भी उसी को आधार बनाकर उसका आद्योपान्त इतिहास श्रीमान टाड के आशय पर लिखा था; किन्तु जब इस जाति के कुल गोत्रों का संग्रह किया गया तब यह प्रतीत हुआ कि इसमें तो तंवर वंश, राठौर, कुश, सेपटया, गोहील सल, पुरू, चावड़ा, यदु, चव्हान, सूर्यवंश, चन्द्रवंश, अग्नि, तिलोकचंद

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

वैश, गर्गी, सोम, राणा, रघू इत्यादि वंशों की शाखाएं पाई जाती हैं तब इन्हें केवल यदुवंशी कहना उचित नहीं समझा गया और उसका प्रकाशन स्थगित किया गया।

हमने देश प्रमुख इतिहासकारों एवं पुरातत्ववेत्ताओं से उपरोक्त प्रश्न पर पूछतांछ की है; जिसमें यह भी पूछा है कि इनकी उत्पत्ति स्थान से तथा किराड (जोधपुर) किरोर कोट (मुलतान और भावलपुर के बीच) या करेरा (किरखा) से क्या सम्बन्ध है? उनकी राय आनेपर आगामी संस्करण में विवरण देने का प्रयत्न किया जायगा। देश के जिन २ इलाकों में इस जाति के लोग बसे हैं; उनमें खापें प्रचलित हैं शायद ये खापें उन समूह मुखियाओं की होनी चाहिये। कहीं २ लोग अपनी जाति का नाम लेते सरमाते हैं, परन्तु इसमें कोई कारण नहीं जिसमें किसी प्रकार की कमी आये।

आज कल बहुधा देखने में आता है कि प्रायः सभी जातियां अपनेको क्षत्रिय या राजपूत बतातीं है; यह वे ही जाने, परन्तु किरार ठाकुर क्षत्रिय होकर राजपुतों में से ही हैं। जहां तक मेरा अनुमान है राणाकुंभा से लोग राजपूत शब्द का उपयोग करने लगे हैं। अस्तु आज चाहे लोग अपने आपको महाराणा का वंशज कहें या शिवाजी का तथा श्री रामचन्द्रजी की सन्तान मानें या श्रीकृष्ण की। आज का युग इस बात को नहीं पूछता वरन यह पूछता है कि आज तुम किस स्थान पर, किस दिशा में हो। और हमें आज यही देखना चाहिये तथा उसमें से अपने समाज की उन्नति का मार्ग सुगम करना चाहिये।

मैं आप लोगों को किराड़ जाति की थोड़ी सी जानकारी भेंट कर रहा हूं। बहुत से लोग अपने २ इलाके से बाहर के स्वजातीय बन्धुओं के बारे में जानकारी नहीं थी, मैंने सन् १९३९ से स्वतः वहां जाकर या पत्र व्यवहार करके जो शहर, ग्रामों के नाम जहां कि किराड़

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

जाति के बन्धूगण वास करते हैं, संग्रह किये हैं तथा वहां के उन सज्जनों का नाम भी दिया है जिनका नाम मुझे प्राप्त हुआ है। हो सकता है, वहां के अन्य प्रमुख सज्जनों के नाम न आ सके हों या काफी जूना संग्रह होने से आज वे सज्जन न हों तो मुझे मेरी गलती न समझ कर क्षमा करेंगे। कहीं २ पोष्ट इत्यादि नामों में गलती हो गई होगी तथा जिस ग्रामों में इस जाति के बन्धुगण वास तो करते हैं; परन्तु वहां के नाम नहीं प्राप्त हो सके हैं, तो स्थान छोड़ दिये गये हैं। मऊ (छावनी) माण्डव, धार, बीकानेर, कच्छभार इत्यादि स्थानों के स्वजातीय बन्धुओं के पते भी छूट गये हैं जो आगामी संस्करण म जोड़ दिये जायेंगे।

कुल (वंशावली) में जो नाम दिये हैं वे जैसे पाये जाते हैं वैसे ही लिखे गये हैं। उसके सन्मुख दी गई जानकारी हमने खोजकर लिखी है, कुछ पहले प्रकाशित हुई जानकारी से ली गई है। आशा है समाज के बन्धुगण मेरी गलतियों को क्षमा करते हुये मेरे प्रयास को स्वीकार करेंगे।

आपका विनीत

सदर, नागपुर
१-१-१९५५

हीरालाल उपासराव उघड़े (महादुले)

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

किराड़ (किरार) क्षत्रिय समाज
का संक्षिप्त इतिहास

किराड़ जाति की उत्पत्ति कहां से हुई ? इस आशय का प्रश्न बहुत से स्वजातीय बंधु पूछते हैं, परन्तु यह प्रश्न ऐसा जटिल है जिसका उत्तर सहज ही नहीं दिया जा सकता। क्या यह कहा जा सकता है कि इस जाति की उत्पत्ति अमुक स्थान से हुई ? यदि हां तो लाखों की संख्या के लोग उस स्थान के कैसे हो सकते हैं ? हां आप यह पूछ सकते हैं किरार नाम कैसे पड़ा। इस पर समाधान भी किया जा सकता है।—

किराड़ लोग क्षत्रिय वर्ण के हैं और कालान्तर में युद्धप्रसंग—वश राजपूताने से सर्वत्र फैल गये हैं। राजस्थान का इतिहास ही युद्ध का इतिहास रहा है। प्राचीन युग में ही नहीं यवन काल में भी भयंकर युद्धाग्नि से बड़ी उथल पुथल हुई और वे अपने मूल स्थान से पलायन कर सुविधानुसार बस गये। जैसाकि कर्नल टाड (पृ० १३१ ओझाकृत) लिखते हैं 'मुगलों के आक्रमण से देश की व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई थी, और लिखावट केवल अक्षर संकेत वाली भाषा ही लिखी जाती थी।"

काफी वर्ष हुये, यदुवंशी किरार क्षत्रियों का इतिहास प्रकाशित हुआ था जिसमें भगवान श्रीकृष्ण से प्रद्युम्न, अनिरुद्ध, बृजनाभि, नाभि, प्रतिबाहु, बाहुबल, सुबाहु, रज, गज (शतसेन), शालीवाहन के वंशधर दर्शाते हुये यह यदुवंशी तथा अनेक वंश राजपूत, यवनकालीन उथल-

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

पुथल के कारण अपने अपने सन्मान एवं धर्म की रक्षा के हेतु किसेरकोट से निकलकर अनेक प्रदेशों में जाकर बस गये और अपने निवास स्थान के कारण किरार (किराड़) क्षत्रिय नाम से विख्यात हुए। पंजाब के इतिहास में मि. जे. डी. कनिंग नामक अंग्रेज लिखते हैं कि यह अपने मूलस्थान से महमूद के आक्रमण से पलायन हुये तथा पंजाब में कांगरा हिल्स में भी जो बनिया लोग हैं वे भी किराड़ कहाते हैं तथा पंजाब के दक्षिणी पश्चिमी कोने में जो लोग रहते हैं उनको भी किराड़ कहते हैं।

सिन्ध पंजाब में जो एक अरोरा जाति है वे भी अपने को किराड़ कहते हैं। शायद वे अरोर नगर के पहले किरोर कोट में ही वास करते रहे होंगे। जैसे मारवाड़ के रहने वाले मारवाड़ी, बंगाल के बंगाली, पंजाब के पंजाबी, या अग्रोहा के निवासी अग्रवाल कहलाये। हो सकता है वैसे ही किरोर कोट के कारण अरोरा किराट कहलाते हों। पंजाब के जातीय इतिहास में कहा गया है कि किराड़ों को मिलिट्री तथा व्यापार दोनों काम सौंपा जाता है। इनकी शाखाओं में निम्नलिखित कुल (वंश) पाये जाते हैं। घुमाई, मोंगे, शिकरी, मनचन्दे, पासरिचे, कन्टोर, मानक तहले, गुरुवारे, वधवे, नरुले, बजाज, सेठी, सुरी, उबेराय, कुकरेजा, आहूजा, भल्ला, हाड़ा, अरोड़ा, मक्कड़, कक्कड़, बतरा, इत्यादि पाये जाते हैं। पंजाब इतिहास में यह भी कहावत है कि जिसका किराड़ मित्र हो, उसका कोई शत्रु नहीं। दूसरी एक पुस्तक में किराड़ जाति के विषय में कहावत है कि जंगल जाट न छेड़ियो, हट्टी बीच किरार। भूखा तुर्क न छेड़ियो, हो जाय जी का राड़॥ तीसरी कहावत कच्छभार में प्रचलित है कि दखन का ब्राह्मण, मारवाड़ का बनिया और कच्छ का किराड़ ये जन्म जात होशियार जाति होती है और कभी किसी से ठगी नहीं जाती। एक महाशय ने किरार जाति की बीरता का बखान इस प्रकार किया है कि एक रुपया फेंक दो और दो किराडों की लड़ाई देख लो। इस प्रकार उनकी युद्ध (रार) प्रियता

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

जानी जा सकती है। वास्तव में देखा जाय तो किरार (किराड़) जाति एक लड़ाकू जाति है। इस कथन को पुराने इतिहासकारों एवं पुरातत्ववेत्ताओं ने भी अपनी पुस्तकों में भी स्वीकार किया है।

यह तो प्रायः सभी लोग मानते हैं कि क्षत्रिय वर्ण के दो मूल सूर्यवंश और चन्द्रवंश से लोग धीरे धीरे अनेक शाखाओं में निकलकर भारतवर्ष के अनेकों स्थानों में पहुंच गये। तथा एक दूसरे से सम्बन्ध स्थापित कर वहीं बस गये और इनके वंशधर अपनी प्रबल शक्ति का विस्तार कर बैठे। हो सकता है यदुवंशियों के पास जो अन्य राजपूत जाति के सामन्त या सैनिकगण थे वे भी किरोर कोट से निकास होने पर अपने को किरार (किराड़) कहते हों और इस प्रकार यह क्षत्रिय समूह किरार कहलाता हो। क. टाड महोदय ने अपने इतिहास में यदुवंशियों के लिये लिखा है "राठौर, चौव्हान और सिसोदिये के समान यदुवंशी (भट्टी) इस समय वीर जाति से ही नहीं किन्तु कुशवाहे वा वरूका और शेखावटी के रहने वालों से अधिक साहसी और वीर कहकर प्रसिद्ध हैं। ये लोग मोटे तगडे तो नहीं, किंतु अच्छे दिखने में यहूदियों जैसे हैं। इनका रजवाडे के समस्त राजपूतों के साथ विवाह संबंध हो जाता है।"

भारतवर्ष भर के किरार (किराड़) जाति के कुल (वंशावलियों) में देश की सभी राजपूतों की शाखायें जैसे तंवर, राठौर, चव्हान यदु, चावडा, पुरू, सेपटया, गोहिल, सल, गर्ग, सोम, राणा, रघु, अग्नि (सोलंकी) तिलोकचंद वैश, कुश इत्यादि चन्द्रवंशी सूर्यवंशी पाई जाती हैं। तब क्या यह कोई राजपूतों (क्षत्रियों) का संगठित प्रयास था? जो देश पर उठे विधर्मियों के बवण्डर का सामना करने के हेतु हुआ हो? बीसलदेवने संवत् ११२० सन् १०६४ ईसवी में यवनोंको भगाने के लिये जिन वीरों को एकत्रित किया था उनमें यदु-भटी, कच्छवाहे दिल्ली के तुँवरराजा जयपाल, गुजरात के राजा दुर्लभ, भीम धार के प्रमार उदयदीत्य, मेवाड़ के राणा पद्मसिंह आदि थे‡।

‡ देखो रा० रा. पृ. ७७८/२

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

किराड़ जाति की बहुत सी शाखाओं के लोग इतिहास में सामन्त पदों पर भी आरूढ़ पाये जाते हैं। तथा यह भी ज्ञात होता है कि अन्य दूसरे राजपूत परस्पर सामन्ती एवं वैवाहिक सम्बन्धों से भी मिल गये; क्योंकि सामन्त मण्डली जिससे परस्पर वैवाहिक भाव में बन्ध कर, प्रबल शक्ति संग्रह पूर्वक राजाओं के विरुद्ध न उठे और राज्य में विद्रोह फैलाने में समर्थ न हो सके, उसके लिये गूढ़ राजनीतिज्ञ राजाओं ने सामन्तों को भिन्न साम्प्रदाय भोगी एवं दूसरे सामन्तों के साथ मिलकर मंगलमय फल उपजाया था†। राठौर, चव्हान प्रमार, सोलंकी, यदु आदि जाति सामन्तों के साथ राजा लोग वैवाहिक प्रबन्ध बन्धन द्वारा मिल गये थे।

देश भर में किरार जति के लोग कृषिप्रधान ही मिलते हैं जहां भी वे वास करते हैं मालगुजार, जमीनदार के रूप में अवश्य पाये जाते हैं। किसीकी नोकरी करना इस जाति में घृणाष्पद माना जाता था। उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, कनिष्ट चाकरी के कथनानुसार आज भी कृषि एवं गल्ले का व्यापार करते हैं। इनकी बड़ी २ माल-गुजारियां (जमीनदारियां) नागपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, भोपाल, टोंक, सिहोर, ग्वालियर इत्यादि स्थानों में पायी जाती हैं। अब तो वे समाप्त हो गई हैं किन्तु वे जहां भी रहते हैं वहां वे अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं।

किरार (किराड) जाति का इतिहास अंधकार युगीन भारत के इतिहास में लुप्त हुआ है। यवनों के काल में हमारा गौरवमय इतिहास जलाकर समाप्त कर दिया गया। गये जमाने की शूरवीर सेना आज कल की वैतनिक सेना की भांति इस पैमाने पर बंधी नहीं रखी जाती थी। देश पर जब भी संकट के बादल मण्डराने पर वे अपना

---

†टा. रा. पृ. १०६४

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

कर्त्तव्य समझकर और अपने महाराजाधिराज के आव्हान पर रणक्षेत्र में तैयार हो जाते थे; किन्तु शान्तिकाल में अपने उदर पूर्ति के लिये सामान्यत: कृषि जीवन ही व्यतीत करते थे।

प्राचीन युग के राजप्रथाओं में सैनिक जातियों को भूमि प्रदान करने की प्रथा पाई जाती है। पहले दर्शाये गये प्रमुख वंशों में राठौर, चव्हान आदि जाति के सामन्तों में कई वंश दिल्ली और अनहलवाड़ा नगर के बहुत पुराने हिन्दु राजवंश में उत्पन्न है। उपरोक्त सामन्त गण मेवाड़ में बद्धमूल और सिसोदिया वंश के साथ वैवाहिक सम्बन्ध में बंधने के कारण राजा लोग भिन्न २ श्रेणी का पट्टा प्रचलित करने में बाध्य हुए थे। राणारायमल, राजा उदयसिंह वंशधर लोग जिन दो प्रधान शाखाओं में विभक्त हुये थे; उनके ही असंख्य वंशधर यथा समय भिन्न भिन्न पैतृक उपाधियों की प्राप्ति से होकर अनेक शाखा—उपशाखाओं में विभक्त होकर प्रधान सामन्त और प्रमुखों की श्रेणी में गिने गये थे, इन्हें भूवृत्तियां (जमीनदारियां) प्रदान की गई थी।

भूवृत्ति (जमीनदारियां) पाकर यह लोग शासन प्रणाली की रीति के अनुसार निर्दिष्ट संख्यक सेना रखते थे। राज्य में किसी भी समय संकट उपस्थित होने पर, तथा राजाओं के विदेश में समर के निमित्त गमन करने पर यह अपनी २ सेना टुकड़ियां सहित चलने को बाध्य रहते थे। जयपुर के इतिहास मे क. टाड महोदय ने धाकर वा किरार जाति गुजरों से अधिक बताई है। तथा जाट और किरार (किराड़) जाति ही आमेर की प्रधान कृषि व्यवसाई थी एवं कृषिक्षेत्र की अधिकारिणी थी।

सामन्त प्रणाली का मूल उद्देश्य राजा और सामन्त परस्पर एक दूसरे को सहायता करने के लिये समभाव से बाध्य हैं। कभी २ ऐसे प्रसंग भी आये हैं कि सामन्तों की भृकुटी से नर पतियों का जीवन

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

और सिंहासन दोनों खतरे में पड़ जाते थे। आगे चलकर हमने करेरा (किरखा क्षेत्र) का प्रसंग दिया है। रावल समरसी चितौड़िया और भोला भीम अनहलवाड़ा से युद्ध करेरा (किरखां) क्षेत्र में हुआ था जहां सोलंकी पराजित हो गये थे† ।

पण्डित छोटेलाल शर्मा एम. आर. ए. लन्दन पुरातत्व विशारद व्या. भूषण महा मंत्री हिन्दु धर्म वर्ण व्यवस्था मण्डल फुलेरा जयपुर ने अपनी पुस्तक जाति अन्वेषण के (प्रथम भाग) में लिखते हैं कि "किरार इस जाति को किराड़ भी कहते हैं। इनको किरार ठाकुर कहते हैं और ये क्षत्रिय हैं"। आगे वे लिखते हैं इनके लिये एक सिविलियन अफसर ने लिखा है कि "किराड़ एक क्षत्रिय वंश ही माना जाता है। आजकल इस जाति के पास कोई राज्य नहीं है इसलिये क्षत्रिय लोग कहीं कहीं पर छोटा मानते हैं परन्तु यह उचित नहीं। अलिगढ़ मथुरा की ओर के किरार बन्धु जादो वंश के ही हैं और पूर्व काल में जादो वंश के ही कहे जाते थे पर ठाकुर कुंवर विजयपाल ने किराखा पर चढ़ाई करके उसे जीता था। उस किराखा को आज कल करेरा कहते हैं। इस कुंवर विजयपाल के वंश वाले किरारवा में आ बसे तबसे इनका नाम किरार वा किराड हुआ। यवन राज्यकाल में ये लोग बड़ी वीरता से लड़े थे।

किरोर कोट, किरारवा, किराड़ू (जोधपुर), चित्तौड़गढ़ के पास करेड़ा, मेवाड़ में खेराड़ इनका वर्तमान किराड़ों से क्या सम्बन्ध है यह पुरातत्ववेत्ता ही जान सकते हैं। किरारों (किराडों) में सभी प्रसिद्ध राजपूत वंशों के लोग पाये जाते हैं अतएव इस जाति को केवल जादो-वंश के ही कैसे माना जाय यह एक प्रश्न उपस्थित होता है। इसलिये इस जाति के समस्त गुण एवं वंश इत्यादि हलचलों से हम इस निष्कर्ष

---

†टाड कृ. १०५५/२

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

पर पहुंचे कि यह रार करनेवाले समूह का संक्षिप्त संकेत है जिसने आगे चलकर जाति रूप धारण कर लिया है ।

मेवाड़ का राजवंश बहुत प्राचीन होने से उनकी शाखायें भी राजपूताना, मालवा, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि में समय २ पर फैली थी । रावल समरसिंह के समय की वि. स. १३३१ (ई. स. १२७४) की चित्तौड़ की प्रशस्ति में गुहिल वंश की अपार (अनेक) शाखायें होने का उल्लेख है । कुछ शाखायें मूल पुरुषों के नाम से भी प्रसिद्ध हुई हैं ; जैसे गुहिल के गहलोत, चन्द्रा के चन्दावत आदि कुछ शाखायें उनके निवास के गांवों से प्रसिद्ध हुई, जैसे सीसोदा गांव से सीसोदिया, चित्तौड़ से चितौहड़ा, आहाड़ा से आहाड़ा, पीपाड़ से पीपाड़ा, मंगरोप से मगरोपा, सीसोदें के राणा भुवन के पुत्र चन्द्रा से चन्द्रावत या चन्द्रिया‡ ।

भोपाल के किराड़ भाइयों से मिलने पर ज्ञात हुआ कि वे अपने को पृथ्वीराज चव्हान से सम्बन्धित बतलाते हैं† । उनके पास एक पुरानी टिप्पणी भी देखी गई जो जीर्ण शीर्ण हो गई है । उसमें मुझे क्षत्रसाल आदि का भी उल्लेख दिखा । उसमें चितौड़ के पास नाउखार थलका से बुंदीकोटा होते हुये भोपाल आने का वर्णन दिया है । मानकराव चौव्हान और अजयपाल आदि का विवरण देते हुये यह भी लिखा है कि इन लोगों से अलाऊद्दीन बादशाह के लड़के से युद्ध हुआ । तत्पश्चात वे टूकटोड़ा पर आये । उस युद्ध में २१ हजार क्षत्रिय भाइयों के मारे जाने का लिखा है । उस वक्त टोड़ा का राज्य छूट गया और पीछे थलका छोड़ा । वहां की लड़ाई में ७ हजार व्यक्ति मारे जाने का उल्लेख किया है । उन्हें अलाऊद्दीन दिल्ली भी ले गया था तथा समझौते

‡ देखो ओ. कृत रा. ३९० पृष्ठ

† पृथ्वीराज चव्हान के अधिपत्य में करद जाति के १०८ सामन्तगण थे । पता नहीं उनका इन किराडों से कितना सम्बन्ध था ।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

के अनुसार इन्हें जमीने प्रदान की और ३०० खेड़ा मुस्ताजरी में प्रदान किये। वहां ५२ कुल शाखा और ५२ बेड़ा बसाया तथा बादशाह को २१ वां हिस्सा कर देने लगे तभी से, फसली संवत १३४२ में किरार मशहूर हुये‡। पुनः युद्ध होने पर कोटा बूंदी और सांबन्तगढ़ बसने तथा कुछेक लोगों के तामोट (भोपाल) इलाके में आने और कुछेक दक्षिण की तरफ जाने का उल्लेख मिलता है। यहां इन लोगों को बाडी (भोपाल) के राजा भरतसिंह और नवलसिंह ने ८४ गांव की मुस्ताजरी देकर बसाया था।

मालूम होता है यहां यह दल बखतरा (भोपाल) निवासी बिहारीलालजी चौरिया के लगभल चौदह पीढ़ी पूर्व के पूर्वज कल्याण शाह चौरिया के नेत्रत्व में संवत १६०१ कार्तिक बदी २ शुक्रवार के दिन आने का वर्णन है तथा शुक्ल यजुर्वेद मध्यान्दिनी शाखा कात्यायनी सूत्र ३ प्रवर और ५ प्रवर चव्हान कुल में मूलोत्पत्ति क्षत्रिय इधर आये तथा बाकी देश में रहे। इस प्रकार उसमें बहुत सी घटनाओं वंशों का वर्णन दिया है जिसे हमने यहां नहीं लिखा है।

हमने एक वंश वृक्ष पथ्रोट के किराड़ भाइयों के पास से प्राप्त किया था। जिसमें संवत १३४९ साल के कागज पर से उतारा हुआ लिखा है। इसमें किराड़ क्षत्रिय सोमवंशी इनके उपनामों (शाखाओं) की सूची दी है तथा शाखा जैमिनी, सूत्र, अरुण, सोमवंश, (किरार) क्षत्रिय, आद्यगोत्र प्रवर ४, खाप गोत्र १४०० वेद ऋग्वेद। दुर्गाजनव, जनव के चमे ६५ प्रवर ५ श्री क्षेत्र केदारनाथ देव, देवी हिंगलाज

---

‡ क. टाड ने जोधपुर इति. में लिखा है कि सोवा जी से जोधजी तक बहुत सी वंश शाखाओं ने मारवाड़ नरेश को अपना राजा मानते थे और सहायता करते थे। यह वंश शाखा कोई कर वा दण्ड नहीं देती इसलिये इनकी शाखा के लोग बिना कर वाली कहलाती है।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

माता, धर्म (शाक्त)अमन, चमन, अरू करू जमद्रक इत्यादि का उल्लेख पाया जाता है। प्रथोट के किराड़ एलीचपुर के यवनराजा के यहां सैनिक ओहदों पर थे। जामदार इत्यादि सैनिक पदवी आज भी इन्हें लगी हुई है।

नागपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा जिले के किराड़ बन्धुओं के चारण (भाट) लोग इनका बखान करते हुये इनका धारा नगरी में राज्य होना बताते हैं। अस्तु चाहे भूतकाल में चाहे जहां से भी हो इनके विवाह संबंध में भाटों द्वारा ही सगाइयां हुआ करती थीं फिर यह प्रथा टूटकर नाईयों द्वारा नारियल भेजकर हुआ करती थी। किन्तु यह भी प्रथा १५-२० वर्ष पूर्व से टूट गई। विवाहों में सिंदपत्तियों का बना मौर्य धारणकर कटार इत्यादि रखते हैं। विवाह मण्डप में सूर्य स्तम्भ इत्यादि की स्थापना की जाती है।

देश के समस्त किराड़ों में एक दूसरे से वैवाहिक सम्बन्ध दूर पड़ने के कारण अब तक नहीं हो पाये थे, किंतु रेलगाड़ियों ने यह असुविधा मिटा दी है। इनमें धाकड़, चौरिया इत्यादि भेद चलता था जिन्हें ये स्वयं नहीं जानते, परन्तु वास्तव में ये खापे हैं। जिनका आशय अपने समूह का विशेष नाम हो सकता है। देश भर के किराड़ भाइयों में जो खांपे प्रचलित हैं उनमें धाकड़, चौरिया, डडोहर (डाडोर) कारोण्ड, उसे, बरसलिया, रतवारे छेड़ो आदि भी पाई जाती हैं। किंतु नागपुर विभाग के किराड़ बन्धुओं में उपरोक्त प्रायः सभी वंश के लोग मौजूद हैं। इससे मालूम होता है कि उन विशिष्ट वंश वालों के ऊपर से ही ये खापे पडी है। चाहे जो हो इस भेदाभेद के कारण हमें आपस में मतभेद पैदा नहीं करना चाहिये तथा अब तो यह भेद समाप्त हो ही गये है।

काफी वर्षो पहले शायद सन १९०९ में दहिया मऊ के तोमर

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

ठाकुर के यहाँ किरार ठाकुर की शादी की बरात आई। वहां के किसी ठाकुर के यह कहने पर कि किरार ठाकुरों से हमारी रिस्तेदारी नहीं हो सकती तब करौली के महाराजा साहब ने उसी समय विवाद में हस्तक्षेप कर कहा कि किरार (किराड़) ठाकुर हमारे भाई बन्दों में से होकर राजपूत हैं तब विवाह हुआ और वहां के कलेक्टर (जो राजपूत सभा के अध्यक्ष भी थे) ने आपत्ति करने वाले महाशय को कुछ जुर्माना भी किया था।

ग्वालियर के किल्ले में जो शहस्त्र बाहु का मंदिर (क्षत्री) है उसमें दिये गये शिलालेख में "रतनपाल किरार" ऐसा उल्लेख पढ़ने में आता है। पता नहीं उसमें क्या लिखा हुआ है। यह पुरातत्व वेत्ताओं का विषय है।

राजपूताने में प्रतिवर्ष देवठान का मेला भरता है। सभी वंशों के राजपूत ठाकुर वहां अपने अपने देवताओं को उठाने की रस्म करते हैं। उसमें ग्वालियर के ठा. हरगोविंद सिंहजी (किरार) के पूर्वजों का भी एक स्थान है जिसकी पूर्ति अब ठा. हरगोविंद सिंह जी करते हैं।

किसी लेखक ने अज्ञानवश किराड़ों (किरारों) को किरात होने का अनुमान लगाकर अपनी अनभिज्ञता का परिचय दिया है। एक मुद्रक ने भूलवश किरार नाम के आगे कौंस में किरात लिखकर वैसा ही किया है। श्री केतकर लिखित शब्दज्ञान में किराड़ जाति की जानकारी लिखी है। मालूम होता है कि उन्होंने मध्यप्रदेश के गजेटियर में से लेकर कुछ अपने अनुमान से उन्होंने जो कुछ लिखा है वह उचित नहीं कहा जा सकता। उसमें उन्होंने किरातों का उल्लेख करते हुये लिखा है कि किरातों से वर्तमान किरारों (किराडों) से कहां तक संबंध है यह कहा नहीं जा सकता। अस्तु किसी जाति का इतिहास लिखने वालों को चाहिये कि किसी भी जाति का इतिहास लिखने के पहले उनकी

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

पूर्ण जानकारी को सोच समझकर ही लिखना चाहिये । नेपाल, सिक्कमि की सरहद पर बसने वाली किरात जाति जो कि नाग वंश की भांति बाहर से आये तथा किरातार्जुन युद्ध के किरातों से वर्तमान भारतवर्ष में पाई जाने वाली किराड़ (किरार) जाति नहीं है और न इनका उनसे कोई सम्बन्ध है ।

सर डब्लू स्लीमन नामक अंग्रेज ने मध्यप्रदेश के किराड़ जाति के संबंध में लिखा है कि ग्वालियर से ये लोग जब मध्यप्रदेशमें आये जब औरंगजेब बुरहानपुर की लड़ाई में था तब किराड़ लोग नर्मदा किनारे आये । किरार और गूजर तथा रघुवंशी ये सब साथ साथ ही आये तथा इन लोगोंका अभी भी साथमें हुक्का पानी एक है । इससे ज्ञात होता है कि इन तीनों की एकता है और तीनों जाति राजपूत कहलाती है । शायद किराड़ लोग विधवा विवाह चलाने से बाहर निकाले गये । ये लोग शराब नहीं पीते, मुर्गी नहीं खाते । उत्तरी ब्राह्मण इनसे पानी लेते हैं । सन बोना, गाय कसाई को बेचना, बिल्लियों, गिलहरियों को मारना, महान पाप समझते हैं । ब्राह्मणों का महा आदर सत्कार करते हैं । जो महिला दूसरे जाति से सम्बन्ध रखती है उसे वे जाति से बाहर कर देते हैं । ये लम्बे तगड़े डील डौल के हैं । चेहरे की आकृति सामान्य है । गोरे रंग के हैं । ये लोग बड़े लड़ाकू और अत्याचारी जमिनदार माने जाते हैं । भूमि के बड़े लालची हैं । पोशाक में फेटा पहनते हैं । महिलायें जेठ का नाम नहीं लेतीं तथा उनके बर्तन और कपड़े तक नहीं छूतीं ।"

आर. व्ही. रूसले नामक अंग्रेज ने लिखा है "१९११ की जन-संख्या में मध्यप्रदेश में ४८ हजार थे । यें लोग अपनें को निकाले हुये राजपूत कहते हैं तथा ग्वालियर से होशंगाबाद जिले में आये तथा ६६ हजार लोग अभी भी ग्वालियर जिले में मौजूद हैं । संवत १५२५ या ईसवी सन १४६८ के पहले ईसवी में अरलू दरलू (अलरावत-

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

दलरावत) इनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में आकर बसे। ग्वालियर स्टेट के "डोडरी खेड़ा" को छोड होशंगाबाद जिले के सोहागपुर तहसील के चंदन खेड़ा ग्राम में आये। ऐसा उन लोगों का कहना है।

सर चार्ल्स एलियट नामक अंग्रेज ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि यह लोग "अलरावत–दलरावत" के नेतृत्व में धौलपुर से ई० स० १६५० में औरंगजेब के जमाने में मध्यप्रदेश में आये परन्तु मुझे धौलपुर में किराड (किरार) नामक जाति नहीं दिखी तथा अकबर के समय में मध्यप्रदेश में नहीं थे।"

इस विषय में मेरा कहना है कि धौलपुर जिले में किराडों की आबादी के गांव हैं। इतना ही नहीं आज जिसे सुलतानपुरा कहते हैं उसे पहले या कोई कोई अब भी किरारपुरा गांव भी कहते हैं।

उपरोक्त महाशयों द्वारा दर्शाये गये टिप्पणी में जो 'अलरावत' 'दलरावत' के नेतृत्व में आना बताया गया है, इतिहास में उनकी खोज करने से ज्ञात होता है कि महाराज कुल (महारावल) खिताब आबू के परमार राजा सोमसिंह को भी था तथा मेवाड़ के राजाओं ने भी पीछे से यह खिताब धारण किया था‡। राठौर राजा गजसिंह के नेतृत्व में खुरम बादशाह के तरफ से एक सेना इधर (दक्षिण में) आई थी तथा किशोरसिंह औरंगजेब की सेना के साथ दक्षिण में आये थे*। वैसे ही किशोरसिंह का भाई बिशन सिंह इनके पौत्र छत्रसाल तथा नवलसिंह और दलेलसिंह के नेतृत्व में एक सेना दक्षिण तरफ आई थी×, शायद ये ही वे ये ही दलरावत होंगे जिनके नेतृत्व में किराड़ भाई नर्मदा के दक्षिण दिशा में आये क्योंकि किराड़ लोग उसी स्थानों

‡ ओ. कृ. रा. पृ. १८०

* पृ. ८६६।? टा. रा.

× टा. रा. पृ. ७२०।२

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

के पास बसे हुये हैं जहां प्राचीन किले हैं। औरंगाबाद में किराडों के जाने का कारण शायद यही सेना है। आज भी वहां किरारपुरा और एक हौद है जो झरारिया वंश (किराड़) के एक सज्जनने लगभग १८७० सन में बनाया माना जाता है और औरंगाबाद के किरारों में से कुछ हैद्राबाद और पूना की तरफ भी गये और वहां बस गये। पूना के एक वृद्ध स्वजातिय सज्जन से ज्ञात हुआ है कि उनके पूर्वज "उदयभानू" के नेतृत्व में पूना की तरफ आये। जब सन् १८०६ के लगभग अंग्रेजों ने पेशवाई (पूना) परआक्रमण किया तब उन्होंने वानोडी गांव के किल्ला बाडा पर डेरा डाला था। वह किल्लाबाडा अंग्रेजों नें अपनी सेना को पानी पीलानेवाले भिस्ती को इनाम में दिया था। उस समय भिस्ती से वह कील्लाबाडा बाबा जगजीवन सेठ किराड़ के पूर्वजों ने खरीदा था।

रावरतनसी के नाती छत्रसाल औरंगजेब की सेना के साथ सेनापति बनकर औरंगाबाद गये थे। साथ ही यह भी ध्यान रहे कि राठौर वंश की सेना दल पिंगल के नाम से मशहूर थी।

नागपुर सर्कल में आज भी गोंगादेव को किराड़ बंधुगण पूजते हैं। उसे पूजने में क्या तथ्य है शायद ये लोग नहीं जानते, किन्तु इतना मानते हैं कि ये लवहारिया वंश के होकर तन्त्र विद्या में बड़े प्रवीण वीर थे और युद्ध में मारे गये। इनकी एक मढ़ी गऊ हीवरा नामक स्थान में (रामटेक) विद्यमान है। मेरे ख्याल में इसका वास्तविक तथ्य यह हो सकता है कि वह चव्हानों में भटण्डा (राजपूताना) नामक स्थान के पुरुषसिंह वीर श्रेष्ठ गोगाजी हैं जिसने अपनी राजधानी की रक्षा के लिये यवन राज सुलतान महमूद के साथ भयंकर युद्ध किया तथा अपने ४५ पुत्रों ६० भतीजों के साथ युद्ध में प्राण त्यागे सतलज के किनारे गोंगादेव की मेढ़ी उसकी राजधानी थी। मरुस्थली में आज भी गोंगादेव का थल विराजमान है ऐसा टाड महोदय कहते हैं।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

किराड़ (किरार) समाज की शाखायें

समस्त भारतवर्ष में किरार (किराड़) क्षत्रियों की निम्न-लिखित प्रचलित कुल शाखायें पाई जाती हैं। कहीं २ एक शाखा को दूसरे प्रान्त में हेर फेर से बोला जाता है जैसे अमरोदिया को नागपुर विभाग की तरफ अमरोतिया या अमृते कहते हैं अतः पाठकगण समझ लें। अतः एक ही शाखा के उच्चारण भेद के कारण एक से अधिक नाम हो सकते हैं। इनमें से बहुतों के गोत्र, देवी ऋषि वगैरह के नाम हमारे पास हैं जिन्हें हम स्थानाभाव से नहीं दे पाये हैं।

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
आमरोदिया (अमृते)	यदुवंश	रावल सबलसिंह के लड़के अमरसिंह से
अभेरिया	यदुवंश	महिसूरराव के लड़के अभयराव से
आवलिया	...	...
अनई	चव्हानवंश	अजमेर के चव्हान वंशी राजा आना से (पृ. १७५ ओझा रा. ई.)
आलमपुरिया	...	...
अतरोलिया (उतरोलिया)	यदुवंश	केहर के पुत्र उतेराव से
अरहया	सूर्यवंश	सूर्यवंशी गहलोत वंश की शाख, गहलोतवंश की शाखा पृष्ठ ९९३/१ टाड रा. ई.

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
आड़रिया	...	...
अड़भूतिया	...	...
अनघोरिया	...	...
अंधरिया	..	..
आरोदिया (हाड़ोदिया, हाड़ोदे, हरोडे)	चव्हान ...	हाड़ावंश चव्हानों की शाखा, अजमेर के माणिकराव के पुत्र अनुराज इस शाखा के आदि पुरुष है (टा. रा. ई. पृ. ७६१/२)
इकलोदिया	...	...
उतरोलिया (अतरोलिया)	यदुवंश	अतरोलिया में देखें
उड़ेलन	यदुवंश	धोकर राजपूत
उनोड़िया	यदुवंश	राजा उन्नड़ के वंशज, उन्हीं के वंश में सम्भा हुआ है जो सम्भा वंशज कहलाते हैं। इलियट की तवारीख जिल्द १ पृष्ठ ३२८ में देखो तथा तवा. तुह फतुल किराम राजधानी सिदिमन।
उडेलिया	...	...
उलेंडिया	...	...
उदेनिया	...	...
उचेन्डिया	...	...
उघड़या (उघड़े)		नागपुर विभागके उघडे अपने को महादुले कहते हैं और कहते है उघड़या हमारी छापहै। दुले में देखें।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
कहरारे (कन्हारे, करारो)	यदुवंश	मड़मराव के पुत्र केहर से
कलोनिया, केलणीया	यदुवंश	केहर के पुत्र केळण से
करविया	यदुवंश	यदुवंशी राजा कर्मपाल के पुत्र जवाहरपाल के वंशज ।
करूरैया	चन्द्रवंश	...
कहोरिया	अग्निवंश	परमार वंश की शाखा गुजरात के सोलंकी राजा भीमदेव (दूसरे) का सामन्त सोमसिंह का पुत्र कान्हड़देव (कृष्णराज) तृतीय, इसे नाडोल के चव्हान राजा बालप्रसाद ने मुक्त करा दिया था कान्हड़देव से दो शाखायें चली एक आबू की दूसरी किराडू की। (देखो ओझा कृत रा. ई. पृष्ठ १७४, १७९.
कवरिया	यदुवंश	इस शाखा को राठोरवंश की शाख कहते हैं किन्तु हलायुद्ध पण्डित ने कवि-रहस्य में इन्हें यदुवंशी लिखा है । राठोर के सम्पूर्ण पत्रों में भी यदुवंशी ही लिखा है ।

Ac. Gunratnasuri MS

Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहा से चला
करोरिया	...	...
करोबिया	...	...
कन्हेंरिया	...	...
कठोनिप	...	...
करधरिया	...	...
करगइया	...	...
कधरटिया	...	...
कानोरिया	यदुवंश	रतनसी के पुत्र कानड से
काठी	सूर्यवंश	सूर्यवंश में करणवंश से उत्पत्ति
कांडोर	चंद्रवंश	चन्दवन्शी कानड़ राजपूतसे
कारोड़िया (कारोंण्ड कारुण्डें)	...	...
कोथरिया (कोधरिया)	...	...
कोगीया	...	...
कोथिया (कोटिया,कोठें,कोटे)	वैशवंश	तिलोकचंद शाख
किरोंजिया	...	...
कुल्हरया (कोलल्या,कुल्होलिया कलोलिया)	चव्हानवंश	भदोरिया क्षत्रियों की शाख (चव्हान वंशी)
कुड़ैया (कुडइया)	...	...
कुचकुचिया	...	...
कुरोदिया	...	...
कुरोलिया	...	...
खरगोतिया	...	...
खण्डाइत		पृथ्वीराज का प्रधान सेनापति चौयदराव उर्फ

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
		खांड़ेराव से चला। (पृथ्वी राज का बहनोई, रणजीत सिंह का मामा)
खानुआ	यदुवंश	चाकेता के पुत्र बिजल-खान से
खाण्डेविनाथ (खाण्डेजननाथ)	...	...
खाकरिया (खाकरे)	...	...
खेजर, खोजर	...	पवांरवंश की शाख
खैरिया, खैर	...	पंवारवंश की शाख
खोरगरिया (खुरगर्य)	...	...
खैरोनिया	यदुवंश	धोकरवंश
खिलामानी	...	...
खिरोलिया	...	...
खुदबिछीया	...	...
गंगोलिया	यदुवंश	कलूराव के पुत्र गंगूराव से
गहोर (गहोरोईगोहहारिया, गहोई, गवईया)	सूर्यवंश	गहलोत वंश की शाख
गसमानिया (गसोनिया, गरसोनिया)	...	...
गर्गया	गर्गवंश	गर्ग ऋषि जो क्षत्रिय थे उन्हीं के नाम पर चला
गढ़कोटिया	...	...
गायकवाड़	सोमवंश	सोमवंशी राजा चंद्रसेन के वंशधर
गायलवाल	चव्हानवंश	चव्हान वंश की शाख पं. गौरीशंकर ओझा ने लिखा है कि हमें ६०

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
		शिलालेख मिले हैं जिसमें चव्हानों को चन्द्रवंशी लिखा है। टाड रा. पृ. ३९६।३९७ बांकीपुर
गोबलीवार		
गढ़ेवार, गढ़वार, गढ़वाल, गढ़या,	यदुवंशी	घोकर राजपूत, मेवाड़ सोलह सामन्तों में से एक, इसको मेवाड़ का भतीजा कहते हैं। टा. रा. ई. पृ. ८६६
गुरहया		
गेंटोनिया	...	...
गोल्हारिया	...	...
घाघोंडिया (धीवडोंडिया, घीड़ोंडा)	चावड़ावंश	राजा घांघड़ के वंशज, घांघड़ नाम के चावड़ा राजा ने विक्रम संवत् १९७१ तक राज्य किया।
घाड़ोरिया (घघोरिया)	...	...
घोंड़ल	...	...
घामड़िया	...	...
घुंघसिया	...	...
चहाइयो	यदुवंश	कहर के पुत्र चाहा से
चव्हान	चंद्रवंशी	...
चरखिया (चनरखिया, चनखरिया, चिड़राखिया, यड़रखिया)	...	...

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहा से चला
चचेइया (चिचैय्या, चचेरिया)	...	...
चांदू (चान्दुरिया, चन्दावत)	चव्हानवंश	यह चव्हानवंश की शाखा है।
चालनिया (चारनिया)	...	...
चित्तौहड़ा (चित्तौरहा, चित्तौडिया, चित्तोरिया)	राणावंश	चित्तौड़ के राणावंशी
चिड़ोलिया (चिरोलिया, चुड़ोलिया)	...	...
चिकटिया (पींपलकार की छाप है)	...	...
चेतदुबय्या (चेतदुपैय्या)	...	...
चोरा (चोरिया, चावरिया, ये बडकोर छाप लगाते हैं)	चन्द्रवंश	यह इतिहास प्रसिद्ध वंश चन्द्रवंशी राजधानी देवमन्दिर शारशत्रु थी।
चौधरीया (चौधरी, यह तुरकीया छाप लगाते हैं)	यदुवंश	धोकर राजपूत
छेड़ोहिया (छिड़ोइया, छेडो)	यदुवंश	देवराज के पुत्र छेडो से
जसुलोनिया (जसुनिया)	यदुवंश	कलूराव के पुत्र जसु से
जगनवारे	यदुवंश	राजा झूंझ के पुत्र जगन से
जयपालिया	यदुवंश	रेनू के पुत्र जयपाल से
जखोदिया	...	...
जुड़ारिया	...	...
जुझोतिया	...	...
जैतोदिवैया	यदुवंश	हमीर के पुत्र जैतू से
जोरावरिया	यदुवंश	जगतसिंह के पुत्र जोरावरसिंह से
जोरा, जोरारिया, जरारिया		चव्हान वंश की शाख या राठोरगण की चौबीस

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहाँ से चला
		शाखाओं में एक पृ. ५१ टा. रा. या ८६६ में देखें
झारिजा	यदुवंश	कच्छ के यह राजपूत जाति अपने को श्रीकृष्ण से बतलाते हैं पृ. १०५८ टा. रा.
झरारिया	...	...
झरोर	...	...
झाड़िया (झाड़े)	...	...
झाड़ोलिया	...	...
झपटोलिया (झपटा)	...	..
टोहरिया (टेहरिया, टेरिया)	रघुवंश	रघुवंशी राजा टोहा के वंशज
टिलहोलिया	...	...
टोमरिया	..	..
टेकसुलतान (टेकसुरतान) (इनके केवल दो ही घर नागपुर विभाग में पाये जाते हैं)	...	(१) सूर्यमल्ल के पुत्र सुरतान जिसे एक गांव रहने के लिये मिला था जो चंबल नदी के किनारे बसा हुआ है सुलतान पुरा कहलाता है टा. रा.पृ. ८०२/२ कोई इसे किरारपुरा भी कहते हैं। (२) बूंदी इति. में दुजगनदेव को सुलतानग्राह कहते थे, (३) टाड ने पृ. ८८९ पर लिखा है सुल्तान, निजाम

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
		प्रदेश के सामन्त उदावत साम्प्रदाय के नेता राजा आलीगोल की रोहिलों की सेना ने इन पर आक्रमण किया था तब ये बड़ी वीरता से लड़े और शत्रु को दूर भगा दिया था। सुरतान के जीते जी उनके किसी अनुयायीयों ने आत्म-समर्पण नहीं किया। इनकी अन्तिम क्रिया करनेवाला शेषोक्त पुरुष अन्त में अपनी प्राण रक्षा के लिये छिपकर दूसरे प्रदेश में भागकर चला गया (देखों पृ. ८८९)
ठाड़ेलिया	...	...
ठिह्नोजिया	...	...
डाब्रीरिया (डबरिया, डबैय्या, डावी)	चौड़ा (चावड़ावंश)	यह चावड़ावंश की शाखा
डुंगरिया (डंगरहया)	अग्निवंश	परिहार राजा डूंगर के वंशज इनका पुत्र डोराना था।
डोर	...	...
डड़ोहर (डड़ोर, डडुरिया, डडोरिया, दादुरिया)	...	...

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
तन्नोटिया (तन्नोरिया)	यदुवंश	केहर के पुत्र तन्नू से
तलोंडिया (तिडांलिया, तलेटिया)	...	...
तमोइया (तिमोनिया)	...	...
तगोनिया	...	...
तरवरिया	..	..
तुरकीया (यह छाप चोधरी की है)	...	...
देवरायत छेड़ो (देवनायत)	यदुवंश	विजयराव के पुत्र देव-राज से
दाहरिया	...	राजा दाहर के वंशज, कुमारपाल प्रबन्ध के ३६ राजकुलों में एक
देगाइया	...	...
दमेला	...	...
दिगोड़िया, दिगवाड़िया	...	...
दिलहोरिया (टिलहोरिया, या लोलाहोरिया भी देखो)	...	...
दुखार	...	...
दुबोलिया	...	...
दरोडिया (दरोडे, धरोटिया)	...	शायद हमीर से (दौरात याने तेज चलने वाला) टा. रा. ३ पृ. ६५५
धाकड़	...	...
धोकर	यदुवंश	राजा मंडमराव के प्रपौत्र रेन्तू का ज्येष्ठपुत्र
धकड़ी	...	...
धरई	...	...

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
घुरसोलिया (घरसोड़िया)	...	...
घरोटिया (दरोडिया)	...	...
धांधुवारे (धोंधुवारे, धौंधवार, धौंधु, धुधोंरिया)	अग्निवंश	आबू के परमार राजा धुंधक के वंशज
नाहरेटिया (नरहैटिया, नरेटिया)	यदुवंश	चाकेता के पुत्र नाहर से
नरवरिया (इसकी छाप भाण्डा है कोई बांडा भी कहते हैं)	...	राजा भाण्डा के पुत्र नरवदीया से टा. रा. ई. पृ. ७२४/२
नार्गोदा (नहरगुदा, नेटरगुदा)	यदुवंश	धोकर राजपूत, नागोद से निकासी
नौदिया (नंदगया, नवोदा)	...	...
निवेटिया (निवेदिया)	...	...
निमोनिया	...	...
नोनिया (नोइया)	...	...
निजोनिया	...	...
पोहरिया	यदुवंश	रैनू के पुत्र पोहर से
पाहुरिया	यदुवंश	बाप्पेराव के पुत्र पाहुर से (राजधानी पूंगल)
पलासिया	यदुवंश	हंसू (हंसराज) के पुत्र शालिवाहन (दूसरे) का पौत्र (गद्दी बद्रीनाथ का इलाका)
पालहनिया	यदुवंश	चाचक के पुत्र पाल्हन से
पटइया (पटैय्यां पटरिया)	सूर्यवंश	इक्षावाकु से तेखें सूर्यवंशी राजा निकुंभ के वंशज (पाटनगांव से निकास)

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
परिहार	सूर्यवंश	विक्रम संवत् ९०० के लगभग ग्वालियर के किले में मिले हुये परिहार राजा भोजदेव के समय के शिलालेख में सूर्यवंशी रामचंद के छोटे भाई लक्ष्मण के वंश में होना लिखा है। महिंद्रपाल कन्नोज का राजा था (टा. रा. बांकीपुर पृ. ४४२ तथा बुंदी इतिहास में ७७२।२
पचैपुरिया	...	धोकर राजपूत की संतानें
पनारिया	...	धोकर राजपूत की संतानें
पलेखनिया (पलेसनिया, परेखनिया)	...	...
परसैध्या (परसोदिया)	...	...
पनिहार	सूर्यवंश	सूर्यवंशी रामचन्द्रजी के भाई लक्ष्मण के वंशज (टा. रा. बांकीपुर पृ. ४४२)
परोदिया (परोलिया)	...	...
पिपलीया (पिपरोलिया, पिपलधारिया, पिपरकार, (चिकट्या छाप है)	...	गहलोत वंश की शाख पृ. ६२१।१ टा. रा. ई.
पनरसिया	...	...
परवइया	...	...
पिलोजरिया (पुलोजरिया)	...	...

Ac. Gunratnasuri MS
Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
पिजोलिया	...	...
पिलोदनिया	...	...
पांडरे	...	...
पालिया पाडिया	सूर्यवंश	राजा सीहा के वंशज सूर्यवंशी, पालीगांव से निकासी
पुरराने (पुरानिया)	पुरुवंश	पुरुवंशी क्षत्रिय पुरू राजा ने लाहोर से ६० मील पश्चीम में संगल नामक नगर बसाया था।
बुधरेटिया	यदुवंश	रेनू के पुत्र बुध से
बरसोलिया	यदुवंश	चाचकदेव का जेष्ठ पुत्र, राजधानी किरोहर यही राजा बरसल किरोहर का अन्तिम अधिश्वर हुआ।
बटेवरा (बेटवार)	सूर्यवंश	गहलोतवंश की शाख
बरबेटा (बरपेठा या अरपेठीया)	...	कुमारपाल प्रबन्धमें इनका उल्लेख है
बड़बटिया (बरबटिया, बरबटे)	चव्हानवंश	चव्हानों की दूसरी शाखा अनिगुरु जाति झालोर में राज्य करते थे टा. रा. ई. पृ. ८६४ दूसरे अला-ऊद्दीन बादशाह के विरुद्ध युद्ध कर अपना नाम अक्षय किया, टा. रा. पृ ८७५

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहा से चला
		कुमारपाल प्रबन्ध में भी उल्लेख है।
बड़गोरिया, बारगाड़िया, बरगैय्या	सूर्यवंशी	बड़गूजरों से निकले सूर्यवंशी
बड़सोनिया	...	...
बरोलिया बल्हेरिया	...	...
बलेखनिया	...	...
बनखो	...	...
बालकोटिया (बालकोटे)	सूर्यवंश	वाला नामक लव के पुत्र की संतान, यह लोग सार शत्रु के मुकाम टांक में रहते थे। इस वंश के राजपूत काठियावाड़ में जाकर बसे वह अपने को बालकोटिया कहते हैं कोई वाला राजपूत के नाम से कहलाते हैं।
बाजौतिया	...	...
बांडिया (भांडा यह छाप नरवरिया की है)	...	नरवरिया में देखो
बाधनिनया	...	...
बासोटिया (बासोदिया, बासुडिया)	..	...
ब्रम्होरिया (बंब्रुरिया)	...	...
बड़कुर (बड़कौर यह चौरिया की छाप है)	...	...
बाड़ोरिया	...	..
बाधरिया	...	...

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
बरोदिया (बिनगोतिया छाप है)	...	...
बुढ़ोनिया (बढ़ानिया)	...	...
बुराने (बुरहाने)	...	...
बादुलिया	...	...
बिजुलिया (बिजोलिया, बाजोलिया)	यदुवंश	केहर के पुत्र बिजू से
बिजलीखान	यदुवंश	...
बनखेड़िया	...	...
बैंजवार (बृजवार)	...	...
बिजैरिया (बिजोड़िया)	...	...
बैरारिया	...	..
बोरबन	...	...
भैसड़ेचिया	यदुवंश	बालबन्द के पुत्र से
भादइया	यदुवंश	झंझराव का पुत्र भादो से
भाइया (भाई)	...	...
भदौरिया (भिड़ौरिया)	चव्हानवंश	चव्हानवंश की शाख चम्बल किनारे का देश प्राप्त हुआ था। देखो टा- रा. ई. पृष्ठ ६६६/२
भटकटिया	...	...
मंगरेवलिया (मंगरोलिया, मंगोलिया, मंगड़ौलिया)	यदुवंश	बालबंद के पुत्र मंगरेव से
मथुरिया	...	...
मलवय्या	सूर्यवंश	राजा मलय वर्मदेव के वंशज
मसानिया	...	कुमारपाल प्रबंध में उल्लेख है।

Ac. Gunratnasuri MS
Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
मनग्रार (मनिहार)	...	...
मथनिया	...	...
महैरिया	..	...
मादरोनिया (मदरोनिया)	यदुवंश	मादन से चला
माईया	सूर्यवंशी	जातिय भास्कर में सोलरवंशी
मयावाड (मायकवाड़)	...	...
मरूइया, मुरवइया, मुरवैंया, मुरमुरिया)	सूर्यवंश	सूर्यवंशी राजा मरू के वंशज
मुंदोलिया	यदुवंश	राजा मूंद से
मोहनीया (मोहन्या, महेनीया	...	...
मीरोलिया (मुरोलिया, मुड़ेलिया, मुळेलिया)	यदुवंश	मीरो से चला
मोरया	सोमवंशी	सोमवंशी मान्धाता के वंशधर
मेवलिया	तंवरवंश	तवरवंश की शाख
महलुदिया (मददोलीया)महादुले)	सूर्यवंश	(उघड़े में देखो)
यड़रखिया (चिड़रखिया,चरखिया होगा)	...	...
राहड़वारे (रहटवार, रहेरवार)	यदुवंश	विजैराव का पुत्र (गद्दी लुद्रवा)
रत्तूवारे (रोतवार)	यदुवंश	रत्तू से जो राजा बरसल का सोतेला भाई था इसी का बड़ा भाई रणधीर खण्डाल प्रदेश का राजा था।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
राजवन्या	यदुवंश	मूलराज के पुत्र राजपाल से
रिजोनिया	...	...
ऋक्षरिया (रिछेरिया, रिछेलया)	चन्द्रवंश	राजा ऋक्षक के वंशज चन्द्रवंशी
रोंगढ़ (रोंगर, रोंघर)	...	..
लोहवारिया	यदुवंश	लोहवा से केहर के भाई मुलराज (दूसरे) के पुत्र
लवाहरिया, लुवाहारिया	सुर्यवंश	मेवाड़ के लव की संतान होने से लवाहा कहलाये इस वंश के एक व्यक्ति ने नागपुर विभाग में रोहिले छाप लगाली है।
लखनपुरिया	यदुवंश	धोकर राजपूत की संताने (कुमारपाल प्र. से)
लोहासिघानिया (लोसिगानिया, लोसिघानिया, लोसिधीया, लसुनिया)	..	...
लोअर	...	...
लिलहोरिया (दिलहोरिया या टिलहोरिया भी कहते होंगे)	...	...
विजोरिया	यदुवंश	तन्नू के पुत्र विजैराव से
वाछूआ	यदुवंश	मूंद के पुत्र वाछू से
वरहिनेवराही	अग्निवंशी	आबू के परमार राजा धरनी वराह के वंशज
वरकोटिया (वरकोटा)	..	...
वावरिया	यदुवंश	धोकर राजपूत

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
वाडोरिया	...	...
वाकपतनीयां (वाघनिनया वाकनिनया) भी	चन्द्रवंश	चन्देल राजा वाकपति से, चन्देलवंशी
वांकुरे	...	...
वासोनिया	..	...
वरेलहा	...	...
समोहन्या	यदुवंश	बालचंद के पुत्र समोह से
सलैया	सलवंश	सलवंशी राजा सल ने अरोर नगर (सिंध किनारे) बसाया था। अबुल फजल ने इसे सिहर लिखा है।
सडैया	...	...
सदेच्या	...	...
सनारेहा	...	...
सकरोदिया	...	...
सिहोलिया (सिंगरोलिया; सिधोलिया)	यदुवंश	वाछू के पुत्र सिहो से
सिहानीया	यदुवंश	
सिहानिया	...	जयचन्द के पुत्र बरदाई सेन के पुत्र सेतराम के पुत्र सीहा जो शमशाबाद (कन्नौज) के पास रहता था। सीहाके ३ पुत्र थे उन्हीं के वंशज सीहानिया कहते हैं।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
सिसोंदिया (सिरसौन्दिया, सरसोंदिया)	गोहिलवंश	राणा शाखा के प्रथम महापुरुष राहप या उनके किसी वंशज ने सिसोदा गांव अपनी राजधानी कायम की तभी से गोहिल वंशी सिसोंदिया कहलाये
सिसनोदिया (सिसोनिया)	सूर्यवंशी	सिसोंदे सूर्यवंशी, सिहकेतू राजा के वंशजों का उप-नाम।
सिलधरिया	सूर्यवंश	विद्याधर जी मूतकेतू के पुत्र जीमूतवाहन के वंशज (प्रथम राजधानी तगर-पुर थी। सिलार वंशी राजपूत)
सिमरौदिया	यदुवंश	धोकरवंश (यदुवंशी) से सिमरोंवगांव बसाने से
सिसंया	...	...
सोनियां	कुशवंश	कुशवंशी ने कोशला छोड़-कर सोन नदी पर रोह-ताश्व का किला राजा रोहिताश्व ने बनवाया था, यहां से निकलकर जो कुशवाह अन्य स्थान पर बसे हैं वह अपने को सोनिया कहते हैं।

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
सेपट (सेपटया, सोटिया, सेटिया)	सेपटावंश	प्राचीन हस्तलिखित पुस्तक राजवंश नामावली में सिरोहीराज में सेपटा राजपूत कहलाते हैं। टा. रा. प्रथमखंड बांकीपुर
सुर्ये (सुर्वेइया, सुरया. सिरोइया, सुरिया)	सूर्यवंश	सूर्यवंशी राजा मरू के वंशज
सुनबइया	...	...
सोलंकी	...	ब्रम्हा के चलुक से उत्पन्न (दे ो ई. ग्रंथमाला जिल्द १ पृ. ३१३
सेतवार	...	...
सिहीरिया	...	...
सुजानिया	...	सहाजू राजपूत के वंशधर (इनके कुछ वंशधर दक्षिण में जाब से शिवाजी के पूर्वज)
सुन्डू (सुनडले, सुडेले, सुडोलिया, सिलेंडिया	राठौरवंश	राठौरों की शाख (टा. रा. ई. बांकीपुर पृ. ३५६)
सूरा	चव्हानवंश	चव्हानवंश की शाख, पं. गो. ओझा लिखते हैं जो ताम्रपत्र मिले हैं उनमें इस वंश को चंद्रवंशी लिखा है। चव्हान राजा पृथ्वीराज दूसरे का

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

शाखा (कुल) नाम	वंश	कहां से चला
		एक शिलालेख वि. स. १२२४ का जो हांसी के किले में मिला उसमें पृथ्वीराज को चंद्रवंशी लिखा है (क्रानिकल्स आफ पठान किंग्स देहली)
सिरोनिया	...	...
सिमैय्या	...	...
हाड़ोदिया (हारोदिया,अरोदिया, हड़ोदे,हरोड़े	हाड़ावंश	हाड़ावंश चव्हानों की शाख अजमेर के माणिक-राय के पुत्र अनुराज इस शाखा के आदि पुरुष हैं मणिकराय ने संवत ७४१ सन ६८५ में सबसे पहले यवनों से युद्ध किया था पृ. ७६१।२ टा. रा. ई.
हितपुरिया	यदुवंश	धोकर राजपूत

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

किरार (किराड़) समाज के उन गांवों की यादी जिसमें वे बसे हुये हैं

नोट:—सज्जनों के नाम कुछ नये जूने हैं। जिनके नाम छूट गये हों वे सज्जन क्षमा करें; क्योंकि जिनके नाम हमें लिखाये गये उन्हीं का नाम हम दे सके हैं। अतः बहुत से प्रमुख सज्जन वृन्दों के नाम नहीं आ सके हैं उनसे मैं क्षमा मांगता हूं। प्रकाशक

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
बाजीलालजी सोंलकी	पिपरिया	चिचोली	बैतुल	
गेंदलालजी मोहने	चिचोली	भैंसदेही	,,	२००
सेठ रतिरामजी बंसीलालजी उघडे	भैंसदेही	,,	,,	४
गोपालजी (बांडा) नरवरिया	नवापुर	,,	,,	१
नामदेवजी धाकड़	सातनेर	सातनेर	,,	१५०
हीराचंदजी सुजनीया याबलीरामजी	कोयलारी	आठनेर	,,	५
हीराचंदजी या मानकचंदजी	जामठी	,,	,,	३
आत्मारामजी पटैया, या प्यारेलाल बलीरामजी या चंपतपटेलजी	माण्डवी	माण्डवी	,,	२००
भेल्याजी झाड़े या आत्मारामजी—हरचंदजी	अकलवाडी	सातनेर	,,	४०
प्रेमचंदजी झाडे या सावन्याजी—झाडें पटेल	दहेगुड़	माण्डवी	,,	६०
बलीरामजी पटेल या तुलसीरामजी झाड़े	नयेगांव	,,	,,	३०

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
तुलारामजी खंडाइत	कोपरा	सातनेर	,,	१५
बालारामजी हरोड़े	चौगढ़	,,	,,	४
कालूरामजी मास्टर, या तात्या-गोपालजी	झल्लार	झल्लार	,,	१०
तुलारामजी सोलंकी या जेसिंगजी-सोलंकी	पुसली	आठनेर	,,	८०
बातुजी बनखेड़िया या मल्लमैरामजी	धनोरा	,,	,,	१५
गणपतजी अड़भूतिया	पंचधार	,,	,,	४०
सुरप पटेल या बलीरामजी पटेल सोलंकी	बोरपेण्ड	मुलताई	,,	११
भैयाजी अड़भूतिया पटेल या तुका-रामजी	टेमूरनी	आठनेर	,,	४
नाम नहीं मालूम	वलनी	आठनेर	,,	३
भादुजी पूंजाजी नरवरिया या नन्द-रामजी या मंहगूजी	काजुली	मासोद	,,	४०
तुलारामजी अड़भूतिया या जैराम-जी पटेल अड़भूतिया	गोना	मासोद	,,	१०
तुलसीरामजी खाकरिया या भभी-चंदजी अड़भूतिया या तुकारामजी	नानकुंडी	मासोद	,,	६०
साहेबलालजी लिलोरिया या उदेराम-जी पटेल या बालारामजी	बोरगांव	मासोद	,,	४०
चेतूजी गढ़ेवाल या गणपतजी, मानक्याजी धोंवडोंडा पटेल	हेडली	,,	,,	१०
हेमराज बकारामजी हरोड़े पटेल	घावल	बिरूल	,,	६०
रामलालजी बरोदिया या बेनीराम-जी पटेल या प्यारेलालजी	वाडेगांव	,,	,,	२०

Ac. Gunratnasuri MS

Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
श्रावणजी पटेल सोलंकी या नानू-पटेल या तानूजी	वलेगांव (बन्हेगांव)	,	,,	३०
नारायणजी पटेल धाकड़ या किसनजी धाकड़ पटेल	ताईखेड़ा	,,	,,	८०
भैयाजी, या पुरणजी सोलंकी या पंचमजी मोहनजी या बारकूजी पटेल	दातोरा	मासोद	,,	१५
रामलालजी नरवरिया या बीरबलजी	आष्टा	मुलताई	,,	२०
दसरूजी सोलंकी पटेल, या अंछाराम दशरथजी या भागचंदजी	सांवगी	मासोद	,,	१००
विजयसिंहजी या अन्ताराम नरवरिया पटेल (बांडा)	रायआमला	मुलताई	,,	८
नाम मालुम नहीं	जामगांव	मासोद	,,	४
भैयाजी पटेल बरोदिया, अर्जून पटेल	मासोद	,,	,,	३५
तात्याकिसनजी या नारायनजी	सांईखेड़ा	,,	,,	३
रतीरामजी	पोहर	,,	,,	१०
डोमाजी पुँजाजी पटेल चव्हान या रामलालजी, नागोरावजी	सिरसावाडी	मुलताई	,,	२०
श्रीरामजी डडुरिया या तुकारामजी डडुरिया पटेल या झिपरिया दमडुजी	बरखेड़	,,	,,	८०
देवसिंहजी चौधरी या हीरालालजी चौधरी	परमंडल	,,	,,	१२५
साहेबलालजी खण्डाइत पटेल	खड़ा आमला	,,	,,	३०
बेनीजी पटेल बनखेडिया	करजगांव	,,	,,	२०
श्रावणजी सोलंकी पटेल या सखारामजी	जम्बाडी	,,	,,	२५
मानकजी घोंघवार पटेल	धारनी	,,	,,	१५

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
मोजीलालजी	दहेबुड़	,,	,,	
गोलोरामजी गढ़ावार पटेल या कलीरामजी	जुनापानी	,,	,,	२०
भराजी	आमाडोह	,,	,,	
चन्दनलालजी	बोथ्या	,,	,,	
लोटनजी या टुकडूजी	चन्दोरा	,,	,,	
मोतीरामजी रतीरामजी हाड़ोदिया पटेल या रामलालजी गंगारामजी	बिहीरगांव	,,	,,	
सावन्याजी पटेल या भैयाजी पटेल	पौनी	,,	,,	
राजेरामजी डडरिया पटेल या मोजीलालजी परशरामजी बर-थटोमा, आसारामजी	कोलगांव	बैतुल	,	३५
बब्बूजी पटेल या बाजोलालजी-हारोदिया पटेल या अन्छारा-मजी भवानीजी	सेहरा	,,	,,	८०
चैतरामजी हारोडिया या मोतीजी	अम्बाड़ा	,,	,,	२०
तुकारामजी पटेल सुखजी	नाहीया	,,	,,	६०
ताराचंदजी केशोरामजी धाकड़ पटेल	मोरनढ़ाना	केशवनगर	,,	२
दीनदयालजी रायसाहेब केशोराम-जी धाकटी पटेल या करमचंद-जी श्यामलाल या हीराचंद धंतरामजी	अंधारिया	आमला	,,	१२५
बिहारीलालजी (डाक्टर) धाकड़	आमला	आमला	,,	
बंशीलालजी धोंधवार पटेल या तुका-रामजी	बोड़खी	,,	,,	५
मोहनलालजो	ससाबढ़	,,	,,	३५

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
बलीरामजी गढ़ेवार या तेजीराम पटेल झाड़िया	रंभाखेडी	,,	,,	१०
मानसिंहजी झाड़िया पटेल	बड़गांव	,,	,,	१०
इंदलजी अड़भूतिया पटेल या भभुत्याजी	खपेड़ा (खतेड़ा)	,,	,,	२०
दयालजी डडुरिया पटेल या सुदनजी	टिमझरा	,,	,,	२०
हरियाजी धोंधवार पटेल या चैंतरामजी	हरनाखेडी	,,	,,	१२
शिवजी	बड़गांव	,,	,,	
तुलारामजी खण्डाइत	कोटारा	,,	,,	१०
अन्धारामजी लिलोहरिया पटेल	लोहारिया	,,	,,	५
झिंगुजी हरोदीया पटेल	छंछुद्रा	,,	,,	२०
तिमाजी झाड़िया या मौजीलाल हरचंदजी	बेलभंदई	,,	,,	३
जगरूजी नरवरिया पटेल	बोगिया	,,	,,	१५
बातुजी पटेल या नंदरामजी	खापा	,,	,,	
रामदीनजी गढ़वाल पटेल	सर्रा	मुलताई	,,	४०
इन्दलजी नरवरिया (बांडा) पटेल या मौजीलालजी	राजेगांव	,,	,,	२०
तुकारामजी	अमदर	आठनेर	,,	
किशनजी मास्टर	पांढुरना	,,	,,	
देवसिंहजी	रजोल	,,	,,	
सदारामजी	धांवडी	,,	,,	
देवसिंहजी	देवड़ोबरी	,,	,,	
टेनीरामजी	ताव्ल्या	सांईखेड़ा	,,	
सैबाजी	खीदखेड़ा	,,	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
गोपालजी	सावलमेंढा	मासोद	,,	
तेजोलालजी	देवठान	आमला	,,	
आत्मारामजी	भुताईखेड़ी	,,	,,	
आनन्दरावजी	उभारिया	मुलताई	,,	
आत्मारामजी	डोंगरीखापा	,,	,,	
गेन्दू अन्धाराम पटेल झाडे	अकड़ावाडी	भैंदेही	,,	
भाऊराव सोलंकी	उम्यारा	मुलताई	,,	

[रामटेक तहसील, नागपुर तथा गोंदिया, तिरोडा] नागपुर विभाग

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
उपासरावजी टीकारामजी (उघड़े) महादुले, या दयारामजी हारोडे, रामलालजी, दसरथजी पटेल, किसनलालजी कोटे मोतीराम-जी, निळकंठराव बुटीसाव दादु-रिया, तुलसीरामजी, नारायणजी, नागोजी, मारोतरावजी, राम-चन्द्रजी, केशवराव, किसनलालजी	किराडपुरा	स॰र बाजार	नागपुर	
जगन्नाथजी दरोडे भूतपूर्व म्यू. सदस्य, रामाजी महादेव साव	किराड़पूरा	इतवारी	नागपुर	
लक्ष्मणजी सोमासाव, तुकारामजी				

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला घर
साव पटैया, या विठोबासाव गढ़े,			
राजेराम साव बालकोटिया	किराड़पुरा	इतवारी	नागपुर
लखुजी दसरथजी बड़बटिया	कामठी	कामठी	
सुकलजी, विश्वनाथ श्रावण हरोड़े	गिट्टीखदान	...	नागपुर
काशी रामजी मोतीरामजी महादुले			
(भू. पू. म्यूनिसिपल सदस्य)	छावनी	...	नागपुर
डा. प्रतापसिंह एम. बी. बी. एस.			,,
(मेडिकल कालेज)	धर्मपेठ	...	,,
सावाजी या उपासराव	बोड्डा	कामठी	,,
...	गऊहीवरा	,,	,,
...	खोपड़ी	,,	,,
किसनजी पाटील डडुरिया	निसखेडा	थासी	,,
गोविन्दजी झाड़े, किसनराव			
पाटील	चाचेर	चाचेर	,,
...	नेरला	...	,,
मनीरामजी पाटील या लक्ष्मण			
महाजन महादुले	नगेगांव	चाचेर	,,
महादेव पाटील	खंडाला	,,	,,
नामाजी	बानुर	थार्सा	,,
...	सावरगांव	...	,,
...	चांदयाकी मांगली	...	,,
डोमाजी	तारसा	तारसा	,,
गोपाड़ा पटेल	निमखेडा	,,	,,
लखुजी पटेल	खापरखेड़ा	,,	,,
...	पारड़ीबड़ी	,,	,,

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
गणेशराम बळवंतरावजी महाजन कोठे	रेउरवारा			
...	राजूली			
शालीग्रामजी	तुमान			
दशरथ पटेल अन्ता पटेल हरोड़े	तरोड़ी			
...	खड्डा			
...	आष्टी			
किसन किराड	भेंडारा			
पतिराम पटेल	चारभा			
हरिरामजी मनीराम, जगन्नाथ पटेल, केशवराव पटेल	बिरली			
मारोतीजी	घनी			
भू. पू. कॅप्टन	भोवरी			
महादेवरावजी, देवचन्दजी वकील, रामरावजी, किसनलालजी, श्रावणजी, ताराचन्दजी पटेल	धानला			
किसन पटेल, रामचन्द्र पटेल, खुशालचन्द पटेल	चिचोली			
लक्ष्मणजी	खात			
...	पिपरगांव			
पंचमजी नरवरिया	मोरगांव			
यादवराव पाटील या कवडु महाजन	येसम्भा			
श्रीराम पाटील धीवढोंडे	वाकेसर			
...	वागबोडी			
...	धीवारीबो ?			
रंगीत पटेल	मुरमाड़ी			

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
...	वायेगांव			
...	कोदामेढ़ी			
...	लोहारा			
महादेव पटेल, शिवा महाजन	महादुला			
बलीरामजी पटेल, डोमा सावजी	मुसेवाई			
गणपत पटेल, श्रीराम पटेल	सिरपुरबोरी			
श्रीरामजी	मांद्री			
राकडूजी पटेल झाड़े	नायबी			
...	खैरी			
दशरथ चिन्तामणजी	बिजेबाडा			
	कांद्रोहीवग			
हरीराम या निलकंठ सोंलकी	टोला			
मन्नुजी पटेल, मोतीराम सावकार	आमडो			
किसन तुलसीराम सोंलकी	पटगोवारी			
...	चिंचभोवान			
विठोबाजी झाडे	दुधारा			
बुद्धजी, शंकरजी, ताराचंदजी झाडे	तेलनखेड़ी			
...	निमखेडा (नेलीका)			
लच्छीराम पटेल,	हीवरा			
पाण्डुराव पटेल या हरिामजी पाटील झाड़े	हीवरी			
महादेवराव मुरमुरिया	साठक			
जगन्नाथ सावजी (वैद्य)	तुमसर			
जगन्नाथ महादुले, या राधाकिसनजी	गोरेल्ला चौक, गोंदिया			
...	छोटीकरटी			
बलीराम नारायण साव पटेल	गोदेखारी			

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
मोतीलाल पटेल झाड़े, विठोबाजी पटेल, लच्छीरामजी लुवाहारिया	तिरोड़ा			
चन्दूलाल तुकाराम, हीरालाल थोंडबाजी	...	बालाघाट		

काटोल तहसील जिला नागपुर

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
बालाराम अमरसिंह सुड़ोलिया	पांढ़री	मोहाड	नागपुर	१२
गोपीनाथजी हलवन्तसिंहजी पटेल या हनमन्तरामजी या जसवन्तसिंह जी गुलाबसिंह पटेल या जामसिंह किसनसिंह पटेल	गोंधनी	,,	,,	२५
मुलखचंद बालारामसिंह खोरगरिया	एरला	,,	,,	३
गोविन्द आत्माराम पटेल	दुधबर्डी	,,	,,	
चंपतजी बलीरामजी व नैनसिंहजी पटेल सूर्यवंशी	आमपेंड	वरूड़	,,	२५
सुखदेवजी हरनामसिंह व किशन सिंह सुडेले	इंदोरा	नरखेड़		१२
बोधराम सितारामजी पटेल पिंजोलिया	आबोला	,,		३०
नेतराम बालकिशनजी नरहेटिया	बिलोना	बिलोना		६
छोटू सिंह झामसिंह पटेल	खापरखेड़ा	नरखेड़		४
दयारामजी या उमेदजी शिवराम खानुआ	मेंडकी	काटोल		१०
पिरथीरामजी डोमाजी	सलोनी	,,		२

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

सावनेर तहसील जिला नागपुर

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
निलसिहजी बाजीराव तथा केशवराव भाई झामसिहजी व गणपतजी बासुदियां, शिवल्याजी पटेल	सावनेर	सावनेर	नागपुर	७५

विदर्भ में

कमलदास सिहजी वर्मा (सर्कल इंसपेक्टर आफ पुलीस), अमरसिहजी स्वरूपसिहजी, नारायनदास सिंह, सीताराम सिह, गब्बूसिह जी, तुलसीराम सिह जीपृथ्वीरामसिह, काशीरामसिह,	पथ्रोट	पथ्रोट	अचलपुर	६०
दर्यावसिह, दयारामसिह, श्रीरामसिहजी सितारामसिंह, गोविंदराम सिंह, विठलसिह पटेल, तुलसीरामसिह	जीवनपुर,	अचलपुर	,,	३०
कुण्डलीक सिहजी, उतम सिह, नंदलाल सिह, बलरामसिहजी	खानजमानगर	हरम	,,	१५
भारत सिह काशीराम सिह	हरम	हरम	,,	२०
केवलरामसिह, छोटूसिह, गुलाबसिह, सीताराम सिह	परसापुर	टवलार	,,	२५
सेठ लच्छीरामजी (उघड़े) फर्म गिरधारीलालजी व परसरामजी तथा जगतरामसिह तुलसीरामसिह रामलाल सिह, टीकाराम सिह,				

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिल	घर
राजाभाऊ वर्मा वकील, तोताराम वर्मा वकील	परतवाड़ा	परतवाड़ा कैंप	अचलपुर	
आर. एन. वर्मा पथ्रोटवाले	आयुर्वेद कालेज	रायपुर	(छत्तीसगढ़)	
एस. एन. वर्मा सबइन्सपेक्टर आफ पुलिस पथ्रोटवाले	तुमगांव	रायपुर	,,	,,
अमतनारायणसिंह स्वरूपसिंह	सिंदी (बुजरूक)	सिंदीबुजरूक	अचलपुर	
प्रतापसिंह स्वरूपसिंह	कुरल	चांदूरबजार	,,	
श्रीरामसिंह गिरधरसिंह C/o रानी साहब	जोमेदारीदौंडी	जोमेदारीदौंडी	बालोद	
	लोहारा	लोहारा	दुरुग	(छत्तिसगढ़)

हैदराबाद दक्षिण

राजा शंकरसिंहजी भाई बण्डुराजा जगन्नाथद्वार मंदिर बेगमबजार हैद्राबाद ४

कन्हैयालालजी किराड़पुरा औरंगाबाद औरंगाबाद औरंगाबाद आज कल हैदाबाद में रहते हैं।

पूना

रायसाहेब रघुनाथदासजी गुलाबदासजी परिहार भू. पू. उपाध्यक्ष, पाण्डुरंगजी भाई त्रिभुवनजी (भू. पू. उपाध्यक्ष पूना म्यूनिसिपल कमेटी), रामप्रसादजी नरायणजी, रोहिदासजी

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
भाई गोकूलदासजी	नानापेठ	पुनाशहर	पुना	
जगजीवनजी बाबा सेठ सरदारजी आवलीया (कारपोरेटर)	किराडपुरा	भवानीपेठ		

मंडला जिला

मनसाजी पटेल या भोपालसिंह मास्टर	नेनपुर	नेनपुर	मण्डला	
पंचमसिंह मंथानिया या छीर्ट्री-लाल व रामचरण	नेवारी			४५
खुशालचंद्र या पन्नालालजो या गणपतजी मंथानीया	मेहगांव			१५
दुल्लीचंदजी बरपेठीया या तामी	समनापुर			१३
अतरसिंहजी मंथानीया	अलीपुर			१५
डिल्लीसिंह	घतूरा			
हृदयसिंहजी बरपेठीया	मक्के			
दौलतसिंहजी	अतरीया			
सुकरामसिंह कन्हेरिया	देहमानी	केवलारी	छिंदवाड़ा	६०

छिंदवाड़ा जिला

किसनलालजी सदारामजी	छोटाबजार	छिंदवाड़ा	छिंदवाड़ा	
बाबुचूड़ामनजी (हेड नम्बर टेकर बी. एन. रेल्वे)	छिंदवाड़ा	,,	,,	
हरिरामजी पटेल पटैया या अडकूजी पटैया पटेल	सांख	उभेगांव	,,	५०
हरिलाल पटेल पटैया	जंतपुर	,,	,,	१०

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
प्रतापजी सिमैया पटेल	मदनपुर	उभेगांव	छिंदवाड़ा	३०
पन्नालालजी अमरोदिया पटेल, तुलसीरामजी	उमरमढ़	,,	,,	६०
गोरेलालजी अमरोदिया पटेल	चारगाँव	,,	,,	४०
हुकुमचंदजी पटेल	अर्जुनवाड़ी	,,	,,	५
गुलाबजी पटेल	भांड खापा	,,	,,	२०
झनकलालजी अमरोदिया पटेल	बीसापुर	,,	,,	५०
गोवर्धनजी बनखेड़िया पटेल	जटामा	,,	,,	३०
खड़कसिंहजी अमरोदिया पटेल या भीकाजी पटेल	कुकड़ा	,,	,,	३०
टन्टीजी पटेल	पिढ़रई	,,	,,	२०
छोटेलालजी बनखेड़िया पटेल	उभेगांव	,,	,,	५०
बरवरियाजी बनखेड़िया पटेल	निलकंठी(छोटी)	,,	,,	६०
बांकाजी पटेल	निलाकंठी(बड़ी)	,,	,,	२०
दद्दुजी पटेल सोलंकी	परसगांव	,,	,,	७०
नोखेजी खाण्डेजनात पटेल	खापा	,,	,,	३०
उदेरामजी नरेटिया पटेल	नौलाझीर	,,	,,	२
कान्हीरामजी सकरोदिया पटेल	चांदढ़ाना	चांद	,,	२०
गुलाबसिंहजी सकरोदिया पटेल	नयेगांव	,,	,,	२५
मलूकजी पटेल सकरोदिया	सालेह	,,	,,	४०
लक्ष्मणजी पटेल घंडोंड्या	सामरवोह	,,	,,	१०
प्यारेजी पटेल या प्रताप-सिंहजी	बेलगांव	,,	,,	३
छीद्दूलालजी पटेल झरारिया	बांसखेड़ा	मेकदोन	,,	४०
मोहन पटेल	पिपरिया	,,	,,	१२
श्यामलालजी खुदबीछिया पटेल	आंमगाँव	,,	,,	१२

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
अमूल्यसिंहजी	उमरईया	बिछुआ	छिंदवाडा	१५
जगन्नाथजी पटेल बनखेड़िया	मोआया	,,	,,	५
सितारामजी पटेल	कोटलाबर्री	,,	,,	५
तिलोकीजी पटेल खाण्डेजनात	मुड़ियाखेडा	,,	,,	४
...	बम्हनी	,,	,,	५
प्रतापजी पटेल या बनखेड़िया	परातलाई	,,	,,	५
रूपचंदजी पटेल या मुलचंद पटेल	तितरी	चांद	,,	१०
हीराचंदजी पटेल महोदोलिया	पोनार	सांवरी	,,	४०
भिवकूलाल पटेल महदोलिया	सलाईया	,,	,,	२
बापूजी पटेल, कपूरचंद पटेल	मोगरगांव स्टेशन उमरा पो. चांद		छिंदवाड़ा	१६
रामलालजी पटेल	जमनीया	,,	,,	१०
तुलसीराम स्वरूपसिंहजी	एकलमां	,,	,,	१०
धन्नारामजी जगतमलजी, छतरसिंह पटेल	मोहगांव	,,	,,	३०
डिलूजी मोहनजी पटेल, शालकराम पटेल	डोंगरगांव	,,	,,	३
विठ्ठलजी पटेल, शंकरसिंह पटेल	हिवरा	खमरा,	,,	१२
मोहनलालजी पटेल	बेलगांव	,,	,,	२५
खुशालजी सुरतीजी पटेल या जगतमन पटेल	कव्वाखेडा	चांद	,,	१२
...	सालई	,,	,,	१
उदेसिंहजी पटेल या नत्थुजी पटेल	रांजना	उभेगांव	,,	१०
भैयालाल मुरतसिंहजी पटेल खानुग्रा	लींगा	सोन्सर	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
...	जामुनटोला	कान्हीवाड़ा	छिंदवाड़ा	
गणेश पटेल	शेरपापड़ा	बिछुआ	,,	
कन्हैया पटेल	करेर	,,	,,	
तुलाराम पटेल	नवलगांव	उभेगांव	,,	२०
दयाराम पटेल	गुरजन	बिछुआ	,,	
अटलसिंहजी पटेल	पलारी	पलारी	,,	
रेवारामजी पटेल	मल्हनवाड़ा	,,	,,	
पन्नालालजी पटेल	बरसला	,,	,,	
रघूवीरसिंहजी पटेल	थावरी	,,	,,	
कल्लूसिंहजी पटेल	चन्दनवाड़ा	,,	,,	
दीपचन्दजी	खमरिया	,,	,,	
सुमेरसिंहजी	खैरा	,,	,,	
खमसिंहजी	मैरा	,,	,,	
थानसिंहजी	भालीवाड़ा	,,	,,	
रामरतनसिंहजी	डूंडा सिवनी	,,	,,	
हरिशंकरजी	कतरवाड़ा	,,	,,	
शोभारामसिंहजी	सींगोड़ी	,,	,,	
धुवतजी	ढेका	,,	,,	
मानकलालजी पटेल	मानेगांव	,,	,,	
सुकरामजी	पांजरा	,,	,,	
सुकमनजो	धानागाड़ा	,,	,,	
इमरतलालजी	लोपा	,,	,,	
भीकमसिंह	झगरा	,,	,,	
रूपचन्दजी	सांठई	,,	,,	
विपतसिंहजी	जुरतरा	कान्हेवाड़ा	,,	
ददुजी	हीनोतिया	,,	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
रघुवीरसिंहजी या हरलालसिंह	छुई	कान्हेवाड़ा	छिंदवाड़ा	
मोहनजी	पिपरिया	,,	,,	
सुक्कू पटेल	मेहगांव	,,	,,	
भुराजी या भोजलालजी	सहजपुरी	,,	,,	

भोपाल

बिहारीलालजी बड़कौर चौरिया (छोटे)	बखतरा	बखतरा	त. बुधनी (भोपाल)	
अर्जुनसिंहजी	खांडावर	,,	,,	३०
...	भैसांहा	,,	,,	
...	मालझर	,,	,,	
...	लखनपुर	,,	,,	
...	मडैय्या	,,	,,	
...	छेनाकछार	,,	,,	
..	कुल्हाडिया	,,	,,	
...	फतरई	,,	,,	
.	बीतली	,,		
...	इमलीया	,,	,,	
...	कोलाफर	,,	,,	
...	दीधवाड़	,,	,,	
हीरालालजी डोर	कुटनासिर	,,	,,	१५०
किशनलालजी, रोशनलालजी	सगोनिया	,,	,,	७०
सतरामजी चौधरी, मंगलसिंहजी अनघोरिया	गुगलवाड़ो	,,	त. बरेली ,,	
...	सेवतल	,,	,,	
...	बासमेहन	,,	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
...	गादर	बखतरा	भोपाल	
...	इशरपुर	,,	,,	
हमीरसिंहजी	चिखली	,,	,,	१५
...	कारीसलाई	,,	,,	
..	लीछोड़ा	,,	,,	
...	दामाबेही	,,	,,	
...	बेहराबन	,,	,,	
...	मांगरोल	,,	,,	
अमरसिंहजी खीलामानी	सागपुर	,,	,,	
शादीलालजी, बद्रीलालजी चौरिया (बड़े)	कोसमी	,,	,,	
...	खीतबाही	,,	,,	
कन्हैयालालजी	सियागेहन	,,	,,	१००
बिजैरामजी	जौनतल	,,	,,	१००
...	सुलताननगर	,,	,,	
संतरामजी पिपरधारिया	आगोद	,,	,,	६०
बाबूलालजी, छब्बीलालजी, मिट्ठूलालजी झरोर	तामोट	तामोट	त. गोहरगंज	५०
बाबुलालजी	बीलखेडी	,,	,,	
मथुराप्रसादजी रायसाहेब बन्नूलालजी, सुरजसिंहजी पटेल	डोभी	डोभी	त. बुधनी (भोपाल)	
...	रमपुरा	,,	,,	
...	लीमटोन	,,	,,	
..	इटवार	,,	,,	
बहादुरसिंह पटेल	छातेर	पिपरिया	उदयपुरा भोपाल	
चौ. तखतसिंह	छुछाहर	बरेली	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
...	सत्रामहु	डोभो	भोपाल	
...	खोवा	,,	,,	
...	मुरारी	,,	,,	
...	खवादा	,,	,,	
छोटेरामजी अनई	मछवाई	,,	,,	६५
...	गोदोखेडी	,,	,,	
...	सरदारनगर	,,	,,	
मकुंदीलालजी	डुंगरिया	शाहगंज	,,	
...	बिनेटा	,,	,,	
हीरालालजी	बड़खेड़ा	बड़खेड़ा	,,	
...	मजुस	सुलतानपूर	,,	
भवानीसिंहजी चौरिया पटेल (बडे)	जैत	जैत	,,	
...	बीसाखेडी	,,	,,	
मंगलसिंहजी	सीलगेहना छोटा	अमरावत तह. बरेली	,,	६०
...	गाजीखेड़ी	,,	,,	
...	चंदवार	,,	,,	
...	नानपीन	,,	,,	
निर्भयसिंहजी	सेमरी	,,	,,	६०
..	खाजरा	,,	,,	
...	पाटनी	,,	,,	
..	सेमरी	गुरमखेडी	,,	
हरप्रसादजी	सिलगेहना बड़ा	नादनेर (नाहनौर) त. बुधनी	,,	१३०
...	अनवासी	,,	,,	
...	बरोदिया	भारकच्छ त. बरेली (भोपाल)		
...	खपरिया	,,	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	रे. स्टे.
चैनसिंहजी	अरका	,,	,,	
...	बाबई	बाडी	,,	
...	बाड़ीखुर्द	,,	,,	
चौ. लक्ष्मणसिंह	बरेली	बरेली	,,	
चौ. कोमलसिंह	किनगी	,,	,,	

जिला बैतूल

..	जुन्नारदेव		बैतूल	
...	कालीछापर		,,	
...	हृदयागढ़		,,	

जिला होशंगाबाद

...	सड़वार	खापरखेड़ा	होशंगाबाद	
		रेलवे स्टेशन पिपरिया		
...	चौराहेट	,,	,,	
...	बुदनी	,,	,,	
चौ. सीतारामजी	संखनी	,,	,,	
चौ. बेनीसिंहजी	मुड़ियाखेड़ा	,,	,,	
प्यारेलालजी पटेल	धनाखर्रा	,,	,,	
...	बागरखेड़ी	,,	,,	
..	पथरौड़ा	,,	,,	
...	रामपुर	,,	,,	
येलमसिंह पटेल	खुलरी	खुलरी	होशंगाबाद	वोहानी
...	मंडेश्वर	,,	,,	,,
...	गोंगावरी	,,	,,	,,

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
रामकरण बडकूर	बुधनी	सांगाखेडाकला	,,	पिपरिया
	थाना	बाबई	उमरथा	
	तिनसरी	,,	,,	,,
चौ. नन्हेलालजी	गढ़ाघाट	गढ़ाघाट	,,	,,
...	बोर	,,	,,	,,
...	जमनिया	उमढ़ शा	,,	,,
चौ तख्तसिंहजी	गडरारी	,,	,,	,,
चौ. बेनीसिंहजा	मुड़ियाखेड़ा	खापरखेड़ा		पिपरिया
चौ. भोपालसिंहजी	रमपुरा	सांईखेड़ा		गाडरवाड़ा
चौ. हरलालजो	खिरेटी	,,		,,
चौ. तख्तसिंहजी	गढ़रौला	सांडिया		
चौ. मर्दनसिंहजी या चौधरी हर-प्रसादजी	पचुआ	,,		पिपरिया
चौ. धन्नारामजी या दौलतसिंहजी	सेमरीतलाव	,,		पिपरिया
...	खैरा	उमरथा (उमरथा)		
चौ. दूर्जनसिंहजी	करपो	बनखेडी		बनखेडी
चौ. झब्बूलालजी	पुन्नोर	चादौन		पिपरिया
	निभौरा	,,		
चौ. प्रल्हादसिंहजी	चादौन	,,		बनखेडी
	जुनावानी	,,		
	तिनसर्रा	बाबई		
चौ. प्रल्हादसिंहजी	मेहगंवा	बनखेड़ी		बनखेड़ी
चौ. छबिलेरामजी	कपुरी	,,		,,
	बमौरी	छेवाराभोपाल (भोपाल)		
	गढ़वास	सोहारपुर	होशंगाबाद	
...	नयेगांव	पिपरिया		

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला घर
प्रल्हादसिंहजी पटेल	सहावन	सालहचौक	सालहचौक
रामचरण पटेल	खैरूवा	,,	,,
मनमोहसिंह पटेल	भटरा	,,	,,
चौ. लक्ष्मणसिंहजी	सेमखेड़ा	बनखेड़ी	बनखेड़ी
देवसिंहजी हमीरसिंहजी या ठाकूर हमीरसिंहजी भू. फू. (डी. एस. पी.)	सुवातलाव,	देवरी	(सागर)
चौ. ओंकारप्रसाद	तुमरा	साईखेडा	गाडरवाडा
चौ. बिहारीलाल	मुंआर	,,	,,
कोदूलाल पटेल	समनापुर	उमरधा	बनखड़ो
हरीकिसन पटेल	बनवारी	,,	,,
तुलाराम पटेल	सुरेला	,,	पिपरिया
गोपालसिंह पटेल	पुरैना	,,	,,
जसराज पटेल	मांथनी	सांडिया	,,
रामलाल छीरई	सांडिया	,,	,,
अरजनसिंहजी पटेल	सिवनी	सांडिया	पिपरिया
चौ. अमानसिंह या मर्दनसिंह चौ.	झालौन	,,	,,
तुलसीराम पटेल	खापरखेड़ा	खापरखेड़ा	,,
चौ. जसवन्तसिंह	डोभी	डोभी	करेलो
चौ. सोवरनसिंहजी	देवरी	,,	,,
मूरतसिंह पटेल	सोहजनी	सांडिया	पिपरिया

जिला आगरा

ठा. दिनदयालसिंहजी	धाकड़ान नईमंडी	आगरा	आगरा
बाबू किशनलालजी भैरवप्रसादजी	ताजगंज	,,	,,

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
ठा. विक्रमसिंहजी (प्रोफेसर राजपूत कालेज)		ताजगंज	आगरा	
,, सबलसिंहजी (प्रिंसपल राज. आगरा कालेज)		,,	,,	
,, रामस्वरूपसिंहजी एम. ए. सी. (प्रोफेसर राज. आगरा कालेज)		,,	,,	
,, रेशमसिंह साबुन फैक्टरी, भरतपुर कोठी के सामने, सिविल लाइन		,,	,,	
कुंवरपालसिंहजी बी. ए. एल. एल. बी.		ताजगंज	,,	
खड़कसिंहजी महेतिया या मोहनलाल जी	सरेन्दी	सरेन्दी तह- खेरागढ़	,,	६०
नारायणसिंहजी या नवाबसिंहजी	नगला हंसराज (सरेन्दी)	,,	,,	८
..	नगला सबदल	,,	,,	,, ६
तोतारामजी	इमली का नगला	,,	,,	,, ६
शंकरलालजी	झारपुरा	,,	,,	,, १००
गजराजसिंह जी	उसर्री	,,	,,	,, १०
राजारामजी या ठकुर पन्नीसिंहजी	देंगवा	जगनेर	,,	,, ८०

जिला धौलपुर

	रजौड़ा (बड़ा)	धौलपुर	धौलपुर	५०
	रजौड़ा (छोटा)	,,	,,	५०
राजारामजी	दुबरा	,,	,,	२५
रामचरण विपत्तीलालजी	किरारपुरा (सुलतानपुरा) या (सुरतानपुरा)			४०
...	सेमरा	,,	,,	४

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
दुर्गाजी बाबू	बाखी	धौलपुर	धौलपुर	४

ग्वालियर (मध्यभारत)

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला
रामलालजी धरमकिसनजी, गल्ला व्यापारी या गिरवरलाल अर्जुनलालजी गल्ला व्यापारी	जीयाजीगंज	मुरैना	मुरैना
चौधरी बिहारीसिंहजी	जगनीग्राम	,,	ग्वालियर
शालीग्रामजी	जौरा	,,	,,
भगवानसिंह ठाकूरदार	जौराखुर्द	,,	,,
देवसुखजी घनश्यामजी जमीनदार रोतवार	मुरार	पेंच	,,
ग्यारसीलालजी मुख्यजीत	मुंगावली	,,	,,
लालाराम मुंकदराम	उरेहारा	जौरा	,,
भोलाजी भागचन्दजी जमीनदार	डेरवारो	कुलारस	,,
लालाजीराम हमीरसिंह	मोटरा	कोलारस	,,
बाबू उत्तमसिंहजी	शक्तप्रताप आश्रम	लश्कर	,,
ठा. रामनाथसिंहजी	छत्रीबजार	,,	,,
ठा. हरगोविंदसिंहजी	कदम साहेब का बाड़ा, शिन्दे की छावनी	,,	,,
ठा. इन्द्रजीतसिंहजी	बड़ागांवमुरार	,,	,,
छविराज अमानसिंहजी बुराने	ककरधा	बारई	गिर्द (ग्वालीयर स्टेट)
पन्नालालजी धनपाल	भितरवार	भितरवार गिर्द	,,
बहुरनसिंह रामपाल डबरिया	माहुच	बारई ,,	,,
हरबोदसिंह पुलपसिंहजी	पिपरउआ	,, ,,	,,

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
गोकूलसिंह मनोहरसिंहजी	कछुड़आ	,,	,,	,,
दलयजन छविराजजी	झाकरी	अत्री (आंतरी)	,,	,,
रामचन्द बिहारीलालजी	आत्री (आंतरी)	(आंतर)	ग्वालीयर	१२
कल्याणसिंह जीवनलालजी	जिगसोली	मोतीझील	,,	
मनोहरसिंह सीतारामजी	भरांड	नुराबाद	,,	
विसरामजी रघुनाथजी जमीनदार	गडाजंर	,,	,,	
खासारामजी गिरधारीलालजो	महतेली	,,	,,	
निरपतजी चौधरी अनुसिंहजी परखनिया	डढूमर	भितरवार	,,	
हरवीर शोभाराम लवाहरिया	बहादुरपुर	मुरार	ग्वालीयर स्टेट	
गोरेलालजी हरभानजी सिसनोदिया	डांगगुठीना	,,		
कमोदसिंह नाकटराम	मेथानी	,,		
बिहारीलालजी खाण्डेरायजी	जोगनी	जोगनी		
श्रीपालजी पोहपसिंहजी	डोंगरपुर	,,		
दाताराम कुंअरपालजी जमीनदार	चुरेळखेड़ा	चोरपुरा		
परसरामजी प्यारेलालजी जमीनदार	शेवड़ा	,,		
किसनलालजी केलीरामजी	गोपालपुर	,,		
लालजुजी राधेलालजी	सेतनवाड़ा	मेतनवाड़ा		
ललोरामजी नीवाजी	मारोरो	झीरी		
केशोराव मुलचन्दजी	दुल्हादा	,,		
देवलाल खासाराम	आंकुरसी	,,		
भिकमसिंह शिवलाल	जामखोर	,,		
लटूम्रा चेतूलालजी जमीनदार	मकालोभरा	गोंरई		
अनन्तराम मनोहरजी	देदवुर	कुवरपुर		

Ac. Gunratnasuri MS   Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
नक्टूलाल हरकिसनजी	चकरानो	घोरी		
आनन्दीराम गोरेलालजी	परछो	पोहरी		
पता ठीक नहीं (ठाकुरलाल गोपाल)	डरहा	शिवपुरी		
इमरतलाल परसराम	पिपरसंगा	,,		
भिकमसिंह प्राणसिंह	चितारो	बदखास	जागीर	
नन्दलाल भोचलसिंह	बरखेडा	,,		५
फुंदीलाल नोनीतरामजी	आटलपुर	,,		
मंगलसिंह भागचन्द	चतराई	उमरी		
मंगलसिंह कालूराम महदोलिया	हतनापुर	बोरे		
मोतीलाल किशनलालजी	टोडगी	जामनेर	ग्वालियर स्टेट	
भागचंद देवीसिंहजी	आमल्या छोटा	,	,,	
कुंजीलाल प्रतापसिंहजी	परेवा	,,	,,	
बनराम भोलारामजी	बरसह	,	,,	
धनसिंह कनीरामजी	पिपारखेड़ी	आमलाबड़ा	इासगढ़	
घनश्याम किशनलालजी	सालोटा	,,	,,	
नंदलाल गोपालरामजी	मड	,,	,,	
भंमरलाल शिवलालजी	आमला बड़ा	,,	,,	
भंमरलाल ओंकारजी	गावरी	आमला	,,	
कापुराम शिवलालजी	राघवगढ़	राघवगढ़	,,	
भंमरलाल घासीरामजी	पाकरना	,,	,,	
भंमरलाल फेलीरामजी	भरसुळा	,,	,,	
प्रभूलाल रामबकसजी	अहिरखेडी	,,	,,	
घासीराम गिरधारीलालजी	डोंगर	,,	,,	
हैतराम दौलतरामजी	सकतपुरा	,,	,,	
बिहारीलाल गिरधारीलाल	उदेपुरी	,,	,,	
शंकरसिंह बलवन्त सिंहजी	गुन्हा (गुना)	गुना	टोंक	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
बलदेवसिंह मर्दनसिंहजी	मालपुर	,,	,,	
रामचन्दजी चतुरभुज्जी	वरखेटा	,,	,,	
धीरजसिंहजी ओंकारजी	करोड़	बजरंगगढ़	,,	
कमोदसिंह नीतिरामजी	परसोदा	,,	,,	
जगन्नाथ मर्दनसिंहजी	गेहुंखेड़ा	गुन्हां	,,	
रामलालजी बलदेवजी	पाटई	उमरी जागीर	,,	
रामलाल शोभारामजी	बडेरा	सिरोंच	,,	
हरपाल रामचंद्र सोलंकी	सिरोंच	,,	,,	
दगलसिंह फुदीलाल	गरेठा	दिपनार खेड़ा	,,	
निर्भयसिंह रामसिंह	बांसखेडी	,,	,,	
मल्लसाट दुर्गासिंह	कोरवासा	,,	,,	
परमालसिंह शंकरसिंह	पीपासी	झडुआ	,,	
मर्दनसिंह दुर्गासिंह	मोरनखेड़ी	अंबपुर	,,	
छोटेलाल पन्नालाल	सुमेर	,,	,,	
भंवरलाल तुलसीराम	रकर्द खेडा	,,	,,	
चुन्नीलाल दर्यावसिंह	बंदीपुर	,,	,,	
हरपाल रामचंद्रजी सोलंकी	सिरोंच	सिरोंच	सिरोंच	
चन्दनसिंह गुलाब सिंह	हिंगली	आग्रा	,,	
उमेदसिंह महाराजसिंह	छीरारी	टोंकरा	,,	
हंसराज प्रतापसिंह	ममदगढ़	,,	,,	
मलपु रामचंद्र	टोकरा	,,	,,	
पंचमसिंह हरिसिंह	सेरखेड़ा	,,	,,	
माणकलाल मंगलसिंह	धरया	येरका	,,	
शंकरसिंह प्रेमसिंह	बक्कामपुर	,,	,,	
हलके भीकमसिंह	अलीगढ़	येकरा	टोंक	
आखेराम किसनलाल	मुरारिया	,,	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	रे. स्टे.
शंकरसिंहजी	चंदपुर	लेहटेरी	,,	
धनसिंह कुमानसिंह	गोपतलीया	,,	,,	
मंगलसिंह शंकरलाल महदोलिया	मेमदपुर	,,	,,	
मुकुन्दराज हंसराज	वरूवार	आगरा	भेलसा	
प्रभुलाल खुरसीलाल	रतवा	,,	,,	
तुलसीराम गिरधारीलाल	मोहनपुरा	समसाबाद	,,	
प्रभुलाल रघुनाथ सिंह	उंगरवारो	,,	,,	
लालचंद हमीरसिंह	जमनहाई	,,	,,	
जालमसिंह अमेराम	बग्धा	,,	,,	
शिवलाल धनराज	बम्होरी	,,	,,	
गुलाबसिंह प्रतापसिंह	मुड़रा	,,	,,	
करनसिंह मर्दनसिंह	बाज	,,	,,	
रूपराम राम किशन	मोतीपुरा	,,	,,	
मर्दनसिंह सरदारसिंह	उफरहाई	,,	,,	
गंगाराम बालचन्द	रिसल्ली	,,	,,	
मर्दनसिंह किशोरसिंह	बरखेडी	,,	,,	
गंगाराम खुबचंद	खत रखेड़ी	,,	,,	
मर्दनसिंह भोलाजी	पाली	,,	,,	
फूंदीलाल बन्धूसिंह	पीपरखेड़ा	पीपरखेड़ा	,,	
भागीरथ श्रीराम	ब्याची	,,	,,	
भागीरथ तेजराम	एमदानगर	,,	,,	
जसराम बुधलाल	देवकी खजुरी	,,	,,	
छोटेलाल मारूलाल हारोदिया	आमोखेड़ा	,,	,,	
ओंकारप्रसाद चतुरभुज	दिलाखेडो	,,	,,	
गोकुलदास बालचंद	दुपरिया	नटेरन	,,	
बद्रीलालजी उर्फ भरोलालजी				

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
या लक्ष्मीनारायणजी				
गेंदलालजी	सिलवटपुरा	इन्दौर	इन्दौर	
मुन्नालालजी	बियावानेचौराह	,,	,,	
प्यारेलाल मन्नीराम बखतरावाले		,,	,,	
देवीप्रसादजी पटेल	बरायाखेड़ी	सीहोर	भोपाल	८
श्री शिवकरणजी	अमझेरा	अमझेरा जिलाधार व्हाया मऊ (मध्य भारत)		८
गणेशसिंहजी एम. ए (अध्यापक) हाईस्कूल	नौगांव	नौगांव (बुन्देलखण्ड)		
रामप्रसादजी फुंदीलालजी, किरार ग्रेन मर्चेन्ट	कस्टम दरवाजा, शिवपुरी (मध्यभारत)			
ठा. हरनामसिंहजी किरार	बसन्तवाड़ा	सिरसी	गुणा	
ताराचन्दजी ठाकूरलालजी किरार	ठर्रा	शिवपुरी (मध्यभारत)		
रामनारायणजी किराड़	मऊ	मऊ तहसील बदरवास (मध्य भारत)		
खुरसीलाल अयोध्याप्रसाद खोजर	सालोना	आलमपुर	इन्दौर	
पन्नालाल खुशालीरामजी माते या बिलासीरामजी पटेल	गोविंदगंज	दतिया	दतिया	
सूरजप्रसाद अर्जुनसिंह खेरोनिया	भिटारी	अलमपुर (स्टेशन शेवड़ा)		
सुकलाल बिहारीलाल सल्लैया	रामपुर	आलमपुर (बड़ा)	,,	
श्यामलाल रामचन्द बघरेटिया	खुजा	,,	,,	
बद्रीप्रसाद भोदूराम बघरेटिया	हासनपुर	सालोन	,,	
लालाराम पुरनसिह गसमानीया	भड़पुरा	भड़पुरा	,,	
बसोरीलाल नंदकिशोर लोसी-धानिया	पड़री	इन्द्रगढ़	,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
धनीराम धर्मजीत जमीनदार परखनिया	रछुआं	इंद्रगढ़	(स्टेशन शेवड़ा)	
काशीराम मोतीराम बधरेटिया	बकुप्रा	मोट		,,
जगतीराम ला?राम खोजर	मोट	,,		,,
रामरतन रामबकसजी	दिगवां	अमरगढ़		,,
रामभरोस बारेलाल खोजर	रामनेर	दबोह	भींड	(स्टेशन रेल्वे भांडेर)
बसोरीलाल शिवराम बुधरेटिया	खानपुरा	,,		,,
निरपत चौधरी भूनुसिंह परखनिया	दुढुमर	भितरवार	गिर्द जिला	
गणेशसिंहजी एम. ए अध्यापक गव्हर्नमेन्ट हाईस्कूल		नौगांव	बुन्देलखण्ड	(विंध्य प्रदेश)
बाबू जमुनासिंह, मुखत्यार कलेक्टरेट	अलीगढ़			अलीगढ़
बाबू मेघसिंहजी, अडव्होकेट जज कोर्ट	,,			
ठाकूर रामसिंहजी, रिटायर्ड सब इन्सपेक्टर, आफ पोलीस, टिकाराम क्वार्टर्स	,,			
बाबू रामस्वरूपसिंहजी, एम. एस. सी. प्रोफेसर आग्रा कालेज	आग्रा			
बाबू जसवंतसिंह भाल, चीफ केमीस्ट, सागर फॅक्टरी	बाबयन			गोरखपुर
बाबू केहरसिंहजी, टिकाराम क्वार्टर्स चंदेरिया				अलीगढ़
ठा. नवलसिंहजी	काचवा			अलीगढ़
,, तेजसिंहजी, सुपरिटेण्डेंट आफ				

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम पोस्ट	जिला घर
पोलीस	बीजनौर	
ठा. निरंजनसिंहजी; वाटर वर्क्स	हाथरस	अलीगढ़
,, नारायणसिंहजी	मोहनगंज हाथरस	,,
पंडित धर्मदत्ताजी	कयलोरा हाथरस जंक्शन	,,
बाबू चिरंजीसिंहजी, क्लर्क इंग्लीश आफिस,	कलेक्टोरोट	,,
ठा, करनसिंहजी, सावकार	दामापायर नगर	मथुरा
,, सुदया लालसिंहजी	दाबन	,,
,, गोपालसिंहजी, नहर खाते ओव्हरसिअर	चिन्नरामन	मैनपुरी
,, जवाहरसिंहजी, ओव्हरसिअर, लोककर्म विभाग	मुरादाबाद	
,, रूखमसिंह रेशनसिंह	कांजी गल्ली गोकूलपुरा	आगरा
कुंवर रामपालसिंहजी, दुय्यम शिक्षक, एन. कालेज	शिखोहाबाद	
ठा. लिलाधरसिंहजी, रिटायर्ड सब इन्सपेक्टर आफ पोलीस	जलालपुर के. जी डब्लू. सावनी	अलीगढ़
,, हीरासिंह, रिटायर्ड सब इन्सपेक्टर आफ पोलीस	बहानपुर हाथरस जंक्शन	अलीगढ़
बाबू निरंजनसिंहजी, सरकारी इलेक्ट्रीक पावर हाऊस	वोसीनपुर हरदनागंज	,,
कुंवर नेगपालसिंहजी, ए. एस. एम. सासीन	ई. आय. आर.	,,
बाबू आसारामसिंहजी, पोस्ट एन्ड टेलीग्राफ आफीस	सिमला	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पौस्ट	जिला	घर
ठा. ढालसिंहजी, हेड जॉबर, स्पीनींग अॅन्ड व्हीव्हींग मिल्स	ग्वालियर			
कुंवर विक्रमसिंहजी, हेड टाईम किपर, भारत वनस्पती मिल्स	पाचुरा	बम्बई		
ठा. मलखानसिंहजी एम. एल. ए.	विष्णुपुरी	अलीगढ़		
,, गोकुलसिंहजी	मिलावली	वाजीदपुर		
,, रोशनसिंहजी	हसोंना (जगमोहनपुर)	वाजीदपुर		
कु. महिपालसिंहजी	हंसगढ़ी	,,		
,, नेत्रपालसिंहजी	शाहगढ़	शाहगढ़		
,, धर्मेन्दपालसिंहजी	,,	,,		
ठा. रामसिंहजी	,,	,,		
,, रोशनसिंहजी	फुसावली	दतावली		
,, रामसिंहजी	दहेली	छर्रा		
कु. महिपाल सिंहजी	मनीपुर	शाहगढ़		
कु. नरसिंहपाल सिंहजी	,,	,,		
,, नेगपालसिंह	कुतबपुर (अमरपुर)	कोदीयागंज		
ठा. भीषमसिंहजी	टिकारी	सलेमपुर		
,, गणपतसिंहजी	चंदेमा	,,		
,, जीतसिंहजी	टिकारी	,,		
,, उधलसिंहजी	शेखपुर अजीत	,,		
कु. बाबुसिंहजी	छोंक	,,		
,, प्रतापसिंहजी	पिछोंती	हसायन		
ठा. रुद्रसिंहजी	सिकतरा	,,		
,, गोविन्दरामजी	जगदेवपुर	,,		
कु. बाबुसिंहजी	शेखपुर अजीत	सलेमपुर		

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
कु. विजेन्द्रपालसिंहजी	मोहारी		हाथरस	
,, गजराजसिंहजी	बाहनपुर		,,	
ठा. वृहद्दलजी संयमी शास्त्री	कैलोरा		,,	
,, जवाहरसिंहजी	,,		,,	
,, रघुबीरसिंहजी	फरौली		,,	
कु. भीकमसिंहजी	,,		,,	
बाबू रामप्रसाद सिंहजी	अमोरवरी		,,	
,, बलवंतसिंहजी	जनमासी		,,	
ठा लीलाधर सिंहजी	जलालपुर		,,	
कु. विजेन्द्रपालसिंह	बांधनू		,,	
ठा. टोडीसिंहजी	कलियानपुर		,,	
कु. रनवीरसिंहजी	धतरोई		सलेमपुर	
ठा. लालसिंहजी	कटरा		दरियापुर	
,, वासुदेवसिंह	खेरिया		हाथरस	
,, रामचन्द्र सिंहजी	सितारी		,,	
कु.-बाबूसिंहजी	रोढ़		सलेमपुर	
,, सत्यपालसिंहजी	नगलाआल		हसायन	
,, भगवानसिंहजी	बघराया		बरवाना	
,, गजाधरसिंहजी	खोंडारती		,,	
ठा. महाबीरसिंहजी	नयावास		लाखनूं	
ठा. हुकुमसिंहजी	छत्तरपुर		सलेमपुर	
,, डोरीसिंहजी	,,		,,	
कु. युधिष्ठिरसिंहजी	,,		,,	
ठा. बलवन्तसिंहजी	गदामद		हाथरस	
,, सरदारसिंहजी	टोढ़		सलेमपुर	
,, तेजसिंहजी	कौमरी	K G W	खासनी	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
ठा. टीकमसिंहजी	दौलतपुर		सलेमपुर	
,, मिट्ठूसिंहजी	बरौली		हाथरस	
,, चित्तरसिंहजी	नगलामैया		बरवाना	
बाबू गावनसिंहजी	कलेक्टरेट		(अलीगढ़)	
,, मेघसिंहजी एडवोकेट			,,	
ठा. नाहरसिंहजी	नगलाभाल		हसायन	
,, दीपचंद वर्मा	बोनई		बरवाना	
कु. केवलसिंहजी	नगलातलार		हसायन	

डा. बंशीधरजी कोठी नं ४४ विष्णुपुरी, अलीगढ़, सी. टी.

ठा. लीलाधरसिंहजी जलालपुर पो. सासनो, अलीगढ़

,, बालमुकुंदजी महादेव प्रसाद महाबीरगंज, अलीगढ़

,, बोलामलजी घनसिंह आड़तीया हाथरस

लेफ्टनेंट जयपालसिंह ई. एम. ई. कालेज आफ मिलट्री अलीगढ़ के हैं

खिड़की पूना नं. ३

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला	घर
ठा. सोहनसिंहजी	डीलारी		मुरादाबाद	
,, लायकसिंहजी	,,			
,, साधूसिंहजी	,,			
,, प्रतापसिंहजी	अलियाबाद डीलारी			
,, गेंदासिंहजी	,,			
,, भगवानसिंहजी	,,			
चौधरी नारायणसिंह भजनसिंह	दिलारी		मुरादाबाद	
कु. राजेन्द्रपालसिंहजी	अहमदपुर	तिलीमानी	मैनपुरी	
,, लोकेन्द्रपालसिंहजी	,,	,,	,,	
ठा. महीपालसिंहजी	उमठी	,,	,,	
,, फूलनसिंहजी सेक्रेटरी एन. कालेज शिकोहाबाद			,,	

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला
ठा. भूपसिंहजी	नगला खुशाली	सिरसागंज	मैनपुरी
,, बदनसिंहजी	,,	,,	,,
,, हंसराजसिंहजी	,,	,,	,,
,, फूलनसिंहजी	,,	,,	,,
,, सुरेन्द्रसिंहजी (जगत टाकीज)		शिकोहाबाद	,,
,, चन्दनसिंहजी मुख्यतार		,,	,,
,, बदनसिंह प्रतापसिंह	सिगलागरी		,,
,, बदनसिंहजी	नगला छोटे	तिलीयामी	,,
,, जैतसिंहजी	तिलीयानी		,,
,, कुशलपालसिहजी	सिरसागरी		,,
,, तेजपालसिहजी प्रधान	,,		,,
,, विरेन्द्रसिंहजी	कीठौत	सिरसागरी	,,
,, बदनसिंहजी	बछेला	भादान	,,
,, भिकमसिंहजी	हैबतपुर	सिरसागंज	,,
,, रिसालसिंहजी	सिरगंज	,,	,,
,, मोहनसिंहजी	,,		
,, रूस्तमसिंहजी	,,		
,, द्रगपालसिंहजी	,,		
,, तिलोकपालसिंहजी	करहरा	सिरसागंज	
,, सुरेन्द्रसिंहजी	,,	,,	
,, रिसालसिंहजी	असवाई	,,	
,, जापानसिंहजी	कोवारा (कोटरा)	तिलयानी	मैनपुरी
,, अहिवरणसिंहजी	असवाई	सिरसागंज	,,
,, द्रूगपालसिंहजी	,,	,,	,,
,, सुरेन्द्रसिहजी	हैबतपुर	,,	,,

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

नाम	मुकाम	पोस्ट	जिला
ठा. रघुवीरसिंह जमीनदार			
ठाकूर अर्जनसिंहजी जमीनदार (५०–६० गांव के हैं)	लभौआ	शकोहाबाद	मैनपुरी
,, लालाराम मंजरी	तिलयानी		,,
,, विक्रमसिंहजी	कोरारा	तिलयानी	,,
,, विजयसिंहजी	केसरी	मदनपुर	,,
,, ध्रुवप्रतापसिंहजी, जिला हार्टीकल्चर आफीसर	फारूकाबाद		,,
कु. लोकेन्द्रपालसिंहजी बी. ए, बाईस चेयरमेन टाऊन एरिया	सिरसागरी		,,
ठा. रूकमसिंहजी साबनवाले		शिकोहाबाद	,,
,, प्रतापसिंहजी	डड़ीयामऊ	,,	,,
,, रिसालसिंहजी वारा, टी, बहादुर, एम. बी. बी. एस.	अमीनाबाद पार्क		लखनऊ

Ac. Gunratnasuri MS Jin Gun Aradhak Trust

'अग्रवाल समाचार मुद्रणालय'
धरमपेठ, नागपुर १

Ac. Gunratnasuri MS
Jin Gun Aradhak Trust